TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बालिकाओं से किया सीधा संवाद... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 04.11.2026

चुनाव से पहले योगी सरकार ने खोला खजाना

शहरी निकायों को मिले 1200 करोड़, विकास को मिलेगी

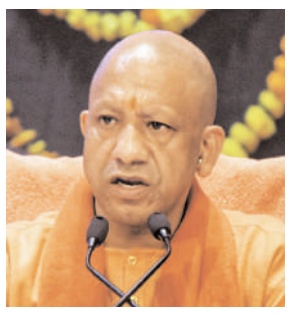
एजेंसी, लखनऊ।

अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के शहरों में विकास कार्यों को गति देने के लिए सरकार ने नगरीय निकायों के खजाने में 1201.64 करोड़ रुपये और दे दिए हैं।

पांचवें राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत अक्टूबर माह की यह धनराशि प्रदेश के 762 नगरीय निकायों को दी गई है। निकायों के पास विकास कार्यों के लिए संसाधन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर सड़क, नाली, जलनिकासी, पेयजल और सफाई व्यवस्था से जुड़े कामों को गति मिलेगी।

विधानसभा चुनाव से पहले सरकार के सामने शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को लेकर अपनी उपलब्धियां सामने रखने की चुनौती भी है।

नगर निगमों से लेकर छोटी नगर पंचायतों तक में सड़क, जलभराव, साफ-सफाई और पेयजल जैसे मुद्दे सीधे आम लोगों से जुड़े हैं। ऐसे में



राज्य वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि निकायों के लिए विकास कार्यों का महत्वपूर्ण जरिया बनेगी।

नगरीय निकायों के लिए 18 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था

खास बात यह है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में नगरीय निकायों के लिए 18 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह राशि 16,200 करोड़ रुपये थी। अब तक नगरीय निकायों को नौ हजार करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

नाम ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं फॉर्म-6 भरें, केस नहीं होगा: ईसी

दोबारा जुड़वाएं, एसआईआर में 30 राज्यों के 13 करोड़ नाम कटे

एजेंसी, नई दिल्ली।

अगर आपका नाम रक्षक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आप फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं। मंगलवार को चुनाव आयोग ने कहा चाहे आप 10 साल से वोटर रहे हों, फिर भी फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसको झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा, न ही कोई केस होगा।

यह फैसला उनके लिए मददगार होगा, जिनका नाम रक्षक के दौरान काट दिया गया। दरअसल, फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि "मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है"।

कानूनी पेंच की वजह से फॉर्म-6 पर सेक्शन 31 के तहत लिखा होता है - गलत जानकारी दी तो 1



साल तक की सजा। लोग सोच रहे थे - हम तो पुराने वोटर हैं, पहली बार वाला कॉलम टिक करेंगे तो केस हो जाएगा। इस डर से लाखों लोग फॉर्म नहीं भर रहे थे। चुनाव आयोग ने कहा कि ये डर निकाल दीजिए, हम इसे फॉल्स डिक्लेरेशन नहीं मानेंगे।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 2025-26 में बिहार, दिल्ली समेत 30 राज्यों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए। दिल्ली में ही 1.45 करोड़ में से 47 लाख नाम हट गए।

अब क्या करना होगा

- voters.eci.gov.in पर एढक्क नंबर से नाम चेक करें
- अगर नहीं है तो फॉर्म 6 भरें + डिक्लेरेशन + डॉक्यूमेंट
- 1987 से पहले जन्मः खुद का 1 डॉक्यूमेंट
- 1987-2004 जन्मः खुद का + माता/पिता का 1 डॉक्यूमेंट
- 2004 के बाद जन्मः खुद का + माता-पिता दोनों का डॉक्यूमेंट
- बीएलओ घर-घर जाकर भी फॉर्म 6 भरवा रहे हैं

क्यों डर रहे थे पहले से रजिस्टर्ड वोटर

चुनाव आयोग ने माना कि कई लोगों को डर था कि फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि "मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है"। ऐसे में पहले से रजिस्टर वोटर को लगता था कि ये झूठा शपथ पत्र होगा और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत उन पर झूठा बयान देने का केस चल सकता है। इसी वजह से लोग फॉर्म 6 भरने से हिचक रहे थे।

फॉर्म-6 से 2003 वाला सवाल हटा चुका आयोग

चुनाव आयोग ने रक्षकप्रक्रिया कम्पलीट हो चुके राज्यों के लिए भी फॉर्म-6 में बड़ा बदलाव कर चुका है। अक्टूबर में हुए इस बदलाव के बाद रक्षकमें नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी। आवेदक को यह बताने की जरूरत नहीं होगी कि उसका, माता-पिता या दादा-दादी का नाम उस लिस्ट में था या नहीं। फॉर्म-6 से इससे जुड़ा अतिरिक्त घोषणा-पत्र हटा दिया गया।

21 हजार करोड़ रू. की पुणे मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन

पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे, अब जमीनी स्तर पर काम हो रहाः मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है।



उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रू. की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए।

पीएम बोले- 10-12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में उऊअ सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी।

यूपी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे सपा अध्यक्ष

हम मुख्यमंत्री तब बनते हैं, जब चुनाव नहीं लड़तेः अखिलेश यादव



एजेंसी, लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस बार खुद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी के दूसरे नेताओं को चुनाव लड़वाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि वह शुभ-अशुभ को मानते हैं और इस बार वही करेंगे, जो उनके लिए पहले शुभ रहा है।

उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछली बार वह विधानसभा चुनाव जीते थे, लेकिन पार्टी को 202 विधायकों का आंकड़ा नहीं मिल सका था। इस बार उन्होंने तय किया है कि वह खुद चुनाव लड़ने के बजाय दूसरों को चुनाव लड़वाएंगे।

2012 में सांसद रहते बने थे मुख्यमंत्री

अखिलेश यादव ने वर्ष 2012 का जिक्र करते हुए कहा कि जब वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, तब लोकसभा के सांसद थे। उन्होंने इसी राजनीतिक घटनाक्रम को अपने लिए शुभ बताते हुए कहा कि इस बार भी वही करेंगे, जो उनके लिए शुभ रहा है।

उनके इस बयान से साफ है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव खुद प्रत्याशी के रूप में मैदान में नहीं उतरेंगे। हालांकि, पार्टी के चुनाव प्रचार और नेतृत्व की जिम्मेदारी उनके पास ही रहने की संभावना है।

वोट चोरी के खिलाफ सपा की रणनीतिः अखिलेश ने मतदान के दिन का मांगा लाइव सीसीटीवी लिंक

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदान के दिन पोलिंग बूथों की वेब कास्टिंग का लिंक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके लिए सपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को मंगलवार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने 2027 के चुनाव में सभी 403 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के करीब 1 लाख 70 हजार पोलिंग बूथों पर वेब कास्टिंग और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। वर्तमान में वेब कास्टिंग का लिंक केवल मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी को मिलता है। इससे अधिकारी मतदान के दिन होने वाली घटनाओं और गड़बड़ियों को देख पाते हैं। हालांकि, राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को यह लिंक नहीं दिया जाता। इस कारण उन्हें बूथों पर होने वाली गड़बड़ियों की जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती। पार्टी ने इसे अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, अनैतिक और जनविरोधी बताया है। पार्टी ने पिछले उपचुनावों में हुई कथित गड़बड़ियों का भी उल्लेख किया। वेब कास्टिंग लिंक एक ऐसा डिजिटल या इंटरनेट लिंक (यूआरएल) होता है, जिसके जरिये किसी निश्चित स्थान पर चल रही गतिविधियों का लाइव वीडियो प्रसारण सीधे ऑनलाइन देखा जा सकता है। मतदान के दिन पोलिंग बूथ के अंदर और बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की लाइव स्थिति इस लिंक के माध्यम से कंप्यूटर या मोबाइल पर देखी जा सकती है, जिससे यह पता चल सके कि मतदान प्रक्रिया कैसी चल रही है।

पटाखों की खुली बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से कहा- आदेश का पालन सुनिश्चित करे

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली के बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों की खुली बिक्री होने की मीडिया में आयी रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि समाचार पत्र में प्रकाशित तस्वीर से पता चलता है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद दुकानों पर हर तरह के पटाखे उपलब्ध हैं।

ये टिप्पणी न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश और पीबी वराले की पीठ ने मंगलवार को एक अंग्रेजी दैनिक में छपी खबर और प्रकाशित तस्वीरों पर संज्ञान लेते हुए कीं। पीठ ने कोर्ट में मौजूद एडीशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे इस मामले को देखें।

कोर्ट ने अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए कहा कि आज की रिपोर्ट में एक तस्वीर है जिसमें कहा गया है कि कल के आदेश के बावजूद अब दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। कृपया इस पर ध्यान दें।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते, प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकारः सुप्रीम कोर्ट

रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी



एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी, प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई।

उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

सीजेपी को एक दिन की अनुमति मिली, 17 दिन तक बैठे रहे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे।

मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

मेनका ने कहा- 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया

सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र के रूप में हम इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं? इस पर तुषार मेहता ने कहा कि इन लोगों को हिरासत में नहीं लिया गया था, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था।

प्रशांत भूषण ने पूछा- किस कानून के तहत निगरानी कर रहे। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर किस तरह की निगरानी की जा रही है और इसके लिए कौन-सा कानूनी प्रावधान है।

इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान केवल उउऊ से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी प्रदर्शन की लाइव रिकॉर्डिंग कर रहे थे, लेकिन सरकारी सीसीटीवी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने हिरासत और पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। वहीं, व्यापारिक संगठनों की ओर से मुकुल रोहतगी, संजय पोद्दार और सचिन पुरी पेश हुए। उन्होंने प्रदर्शन के कारण कारोबारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया।

'24 घंटे हो गए, चैलेंज दिया है': खुली बहस को लेकर राहुल ने फिर मोदी को घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती देने के 24 घंटे बाद एक बार फिर उन पर निशाना साधा है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री से बहस के लिए सामने आने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी जगह का चुनाव कर सकते हैं और इस बहस में मीडिया, देश के युवा और जज के तौर पर अपनी पसंद का व्यक्ति भी शामिल कर सकते हैं। राहुल ने यहां तक कहा कि मोहन भागवत को भी जज बनाया जा सकता है।

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ। उन्होंने आगे कहा कि देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। राहुल गांधी ने पोल के जरिए क्या पूछा?



बहस की चुनौती को राहुल ने एक्स पर क्या पोल किया?

खुली बहस की चुनौती देने के बाद राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोल भी किया। इसमें उन्होंने देश के युवाओं से सवाल किया कि क्या वे राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी के बीच खुली बहस देखना चाहते हैं। राहुल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी टैग किया।

उन्होंने इन नेताओं से प्रधानमंत्री को बहस के लिए मनाने की अपील की। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में बहस के प्रस्ताव पर दो विकल्प भी दिए। उन्होंने लिखा, अगर प्रधानमंत्री मोदी बहस के लिए तैयार होते हैं तो जवाब होगा- 'हां, मोदी जी डरें मत'। वहीं, अगर वह तैयार नहीं होते हैं तो जवाब होगा- 'नहीं, मोदी जी डर गए'।

मोहन भागवत को जज बनाने का भी दिया सुझाव

राहुल गांधी ने बहस का प्रारूप बताते हुए कहा कि इसमें दोनों नेता आमने-सामने बैठेंगे और मीडिया के साथ देश के युवा भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो। मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो। और फिर डिबेट करते हैं।

यूएस डील, अदाणी केस और एपस्टीन का भी उठाया मुद्दा

राहुल गांधी ने कहा कि इस बहस में वित्तीय व्यवस्था, वित्तीय ढांचे, अमेरिका के साथ हुई डील और अदाणी मामले पर भी खुलकर चर्चा होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि यूएस डील कैसे हुई, क्यों हुई और इतनी जल्दी क्यों हुई? इसे सिर्फ प्रधानमंत्री ने क्यों किया और कैबिनेट को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? उन्होंने अदाणी का केस बंद होने और एपस्टीन का मुद्दा भी उठाया।

राहुल गांधी ने बताया किन मुद्दों पर उठेंगे सवाल?

राहुल ने कहा, "सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, यूएस डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अदाणी का केस बंद क्यों हुआ, एपस्टीन- ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिसपे खुलकर डिस्कशन होगा।"

बोले- मेरे ऊपर करीब 45 मानहानि के केस, इस मुद्दे पर भी लगाइए

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री उनके खिलाफ आरोप लगाते हैं तो उन्हें खुली बहस के लिए सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा, "आ जाइए, डरिए मत। दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए। आप आरोप लगाते हैं ना मेरे ऊपर, आ जाइए, सब साफ हो जाएगा।" राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज मानहानि के मुकदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बाकी चीजों पे आपने मानहानि केस लगा रखा है, शायद 45 मानहानि के केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पे, विदेशी संबंधों पर आप मानहानि नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुल के। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए।ह अपनी पोस्ट के अंत में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'हैप्पी दीवाली, मोदी जी।'

24 घंटे पहले राहुल गांधी ने क्या कहा था?

राहुल गांधी ने कल भी प्रधानंत्री पर कई आरोप लगाए थे। उन्होंने लिखा था कि प्रधानमंत्री देश से झूठ बोलना बंद करें। राहुल ने कहा था कि मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही पद पर बने हुए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन से चल रही है। राहुल ने विदेशी सोशल मीडिया के भी प्रधानमंत्री के समर्थन में होने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि इसके लिए कोई भी मंच और समय तय किया जा सकता है।

सियासतः राहुल गांधी के विदेशी मदद वाले बयान पर किरेन रिजिजू का पलटवार, बोले- दुश्मनों का एजेंडा आगे बढ़ा रहे

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाए गए आरोपों के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल ने दावा किया कि मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और इसी के सहारे पद पर बने हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती भी दी। अब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने राहुल पर भारत के दुश्मनों का एजेंडा आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि दूसरों पर विदेशी मदद लेने का आरोप लगाना खुद को हास्यास्पद स्थिति में डालने जैसा है। उन्होंने आगे ये भी लिखा कि उच्चस्तरीय बहस हमेशा परिपक्व और समझदार लोगों के बीच होती है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कई आरोप लगाए। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री देश से झूठ बोलना बंद करें। राहुल के मुताबिक, मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही पद पर बने हुए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन से चल रही है। राहुल ने विदेशी सोशल मीडिया के भी प्रधानमंत्री के समर्थन में होने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि इसके लिए कोई भी मंच और समय तय किया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री इस बहस से बचेंगे, क्योंकि उन्हें राहुल की जानकारी का डर है।

राहुल गांधी के बयान पर किरेन रिजिजू ने क्या कहा?

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी की पोस्ट पर जवाब देते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा कि यह वैसा ही है, जैसे इस्लामी कट्टरपंथी धर्मनिरपेक्षता की बात करें, अलगाववादी भारतीय झंडा लेकर चलें और अराजकतावादी संविधान की किताब दिखाएं। रिजिजू ने कहा कि भारत के दुश्मनों का एजेंडा आगे बढ़ाने वाले लोग ही दूसरों पर विदेशी समर्थन लेने का आरोप लगा रहे हैं। उनके मुताबिक, ऐसा करना खुद को हास्यास्पद स्थिति में डालने जैसा है। रिजिजू का यह जवाब राहुल की पोस्ट के बाद आया है।



राहुल ने प्रधानमंत्री को किस मुद्दे पर दी बहस की चुनौती?

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री की राजनीतिक स्थिति और देश की आर्थिक व्यवस्था को विदेशी समर्थन से जुड़ा बताया। उन्होंने दावा किया कि विदेशी ताकतों की मदद से ही मोदी प्रधानमंत्री बने और अब भी पद पर बने हुए हैं। राहुल ने आर्थिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन से चल रही है। राहुल ने प्रधानमंत्री को इन आरोपों पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बहस किसी भी मंच पर और किसी भी समय हो सकती है।

उज्ज्वला लाभार्थियों को मिली सब्सिडी की सौगात

कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य व महिला आयोग अध्यक्ष की उपस्थिति में देखा गया सजीव प्रसारण

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- जनपद आगरा के 3,40,685 लाभार्थियों सहित प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को मिला दीपावली का उपहार
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ लोकभवन से बटन दबाकर रिफिल सब्सिडी की धनराशि की ट्रांसफर

दीपावली पर्व के उपहारस्वरूप प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम के तहत मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को जनपद आगरा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य सजीव प्रसारण सूरसदन प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया।

अपराह्न 04:00 बजे लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा डिजिटल माध्यम से बटन दबाकर प्रदेश भर के 1 करोड़ 89 लाख से अधिक पात्र परिवारों के खातों में रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी की धनराशि अंतरित की गई। इसी क्रम में जनपद आगरा के 3,40,685 उज्ज्वला लाभार्थियों को भी इस जनकल्याणकारी योजना का सीधा लाभ प्राप्त हुआ।

सूरसदन प्रेक्षागृह में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्य तथा उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों मुख्य अतिथियों व जनप्रतिनिधियों ने सूरसदन में उपस्थित सैकड़ों महिला लाभार्थियों के साथ मुख्यमंत्री जी के वक्तव्य और डिजिटल ट्रांसफर प्रक्रिया का सजीव प्रसारण देखा व सुना।

समारोह के दौरान अतिथियों ने सरकार की इस पहल को महिला सशक्तिकरण और गरीब परिवारों के जीवन में धुएं से मुक्ति व स्वच्छता लाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आई लाभार्थी महिलाओं की उत्साहजनक उपस्थिति रही।

39 किलोग्राम मिलावटी खाद्य सामग्री कराई नष्ट

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई में विभिन्न खाद्य पदार्थों के 8 नमूने संग्रहित
- आगामी त्योहारों के दृष्टिगत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों पर चला विशेष जांच अभियान
- जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए सोनपापड़ी, खोया, डोडा बर्फी, पनीर और बेसन लड्डू के नमूने; मिलावटखोरों के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

आगामी त्योहारों के मद्देनजर जनसामान्य को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद आगरा में सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस विशेष चेकिंग अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों व डेयरियों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के कुल 8 विधिक नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

अभियान के तहत अर्जुन नगर स्थित रामनिवास बघेल के प्रतिष्ठान से सोनपापड़ी, खोया, डोडा बर्फी एवं बेसन के लड्डू के कुल 4 विधिक नमूने लिए गए। इसके अलावा मानिकपुरा (बाह) स्थित एक डेयरी से पनीर का 1 नमूना, भदरौली स्थित श्री-व्हीलर से नमकीन का 1 नमूना, गोकुलपुरा स्थित बेदी राम किराना स्टोर से मूंग दाल का 1 नमूना तथा गोकुलपुरा के ही राकेश मिष्ठान भंडार से बेसन के लड्डू का 1 नमूना संग्रहित किया गया। कार्रवाई के दौरान एक खाद्य कारोबारकर्ता को परिसर में पाई गई कमियों को दूर करने हेतु नियमानुसार सुधार सूचना (इम्प्रूवमेंट नोटिस) जारी की गई।

छापेमारी एवं निरीक्षण के दौरान प्रथम दृष्टया गुणवत्ता संदिग्ध एवं दूषित पाए जाने पर कुल 39 किलोग्राम खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 9,000 रुपये है। नष्ट कराई गई सामग्री में 15 किलोग्राम बर्फी, 10 किलोग्राम छेना, 10 किलोग्राम बूंदी के लड्डू तथा 4 किलोग्राम हरी चटनी शामिल है।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक्कने बताया कि सभी खाद्य कारोबारकताओं को प्रतिष्ठानों में उच्चस्तरीय साफ-सफाई रखने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। जनहित में मिलावटखोरी के विरुद्ध विभाग की यह दंडात्मक व निरोधात्मक कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जनसुनवाई में एत्मादपुर का दमदार प्रदर्शन, यूपी में 28वीं रैंक हासिल

100 में से 92 अंक मिले, अक्टूबर में मिलीं 111 शिकायतों का किया गया निस्तारण

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।



- जनसुनवाई रैंकिंग में एत्मादपुर ने बनाई जगह
- 111 शिकायतें मिलीं, सभी का हुआ निस्तारण
- एसडीएम बोले- टीमवर्क से मिली सफलता

उत्तर प्रदेश सरकार के जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) द्वारा जारी अक्टूबर 2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट में आगरा जनपद की एत्मादपुर तहसील ने प्रदेश स्तर पर 28वीं रैंक हासिल की है। जन समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के चलते तहसील को यह सफलता मिली है।

तहसील स्तर पर किए गए इस कड़े मूल्यांकन में एत्मादपुर तहसील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 में से 92 अंक (पूर्णांक) प्राप्त किए हैं। इस शानदार स्कोर के साथ तहसील का कुल कार्य प्रदर्शन प्रतिशत 92.00% दर्ज किया गया है, जो यह दशार्ता है कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना और निपटाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर माह के दौरान एत्मादपुर तहसील स्तर पर कुल 111 संदर्भ (शिकायतें) प्राप्त हुए थे। इन सभी शिकायतों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए उनका निस्तारण किया गया। जनसुनवाई पोर्टल की यह रैंकिंग और स्कोर गवाही दे रहे हैं कि क्षेत्र में जन समस्याओं के समाधान की रफ्तार काफी बेहतर रही है।

इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए एत्मादपुर के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सुमित सिंह ने बताया कि यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि टीम वर्क का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि तहसील के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के आपसी सहयोग व कड़ी मेहनत से ही एत्मादपुर को यह मुकाम मिला है। भविष्य में इस प्रदर्शन को और बेहतर कर शीर्ष रैंकिंग में जगह बनाने का प्रयास किया जाएगा।

विकास भवन सभागार में पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई कृषि यंत्रों की ई-लॉटरी

11 यंत्रों के सापेक्ष चुने गए 11 लाभार्थी किसान

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष कृषकों की उपस्थिति में द्वितीय ई-लॉटरी प्रक्रिया हुई पूर्ण; मोबाइल पर मैसेज मिलते ही खिले किसानों के चेहरे
- मल्टी क्रॉप थ्रेशर, सुपर सीडर, रोटावेटर और पावर वीडर जैसे आधुनिक यंत्रों पर 42 बुकिंग के सापेक्ष निष्पक्ष लॉटरी से हुआ आवंटन



टीएनएफ टुडे, आगरा।

विकास भवन सभागार में मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय समिति के समक्ष और जनपदभर से आए कृषक बंधुओं की प्रत्यक्ष उपस्थिति में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु कृषि यंत्रों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया गया।

ई-लॉटरी की प्रक्रिया पूर्ण होते ही चयनित कृषकों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर जैसे ही चयन संबंधी संदेश (रटर) प्राप्त हुए, विकास भवन परिसर में मौजूद किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

उप कृषि निदेशक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में 10,000 रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों—जैसे मल्टी क्रॉप थ्रेशर, ट्रैक्टर माउंटेड/सेल्फ प्रोपेल्ड क्रॉप रीपर, मिलेट मिल, क्लीनर-कम-ग्रेडर, पैकिंग मशीन, शक्ति चालित चैफ कटर, पावर वीडर, रोटावेटर और सुपर सीडर सहित कुल 11 श्रेणियों के यंत्रों के सापेक्ष कुल 42 किसानों ने ऑनलाइन बुकिंग की थी। निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष सभी 11 कृषि यंत्रों हेतु लाभार्थियों का अंतिम चयन पारदर्शी ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। यह चालू वित्तीय वर्ष में कृषि यंत्रों के आवंटन हेतु आयोजित की गई द्वितीय ई-लॉटरी थी।

ई-लॉटरी प्रक्रिया के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (उक्कड-ठक्क), केनरा बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक (छअट), जिला स्तरीय समिति (उछएउ) के नामित सदस्य-मोहन सिंह चाहर, हरीश कुमार, नीरज कुमारी व मान सिंह—सहित जनपद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आए दर्जनों कृषक बंधु उपस्थित रहे।

जनसेवा केंद्र योजना (सीएससी 4.0) हेतु डीएसपी चयन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित

4 से 30 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

- नगर मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला ने दी जानकारी; प्रति जनपद 02 डिस्ट्रिक्ट सर्विस प्रोवाइडर (ऊढ) संस्थाओं का होगा चयन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



जनसेवा केंद्र योजना (सीएससी 4.0) के सुचारू क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा आरएफपी के माध्यम से प्रति जनपद 02 डिस्ट्रिक्ट सर्विस प्रोवाइडर (डीएसपी) संस्थाओं के चयन हेतु ई-निविदाएं (ए-ळीएल्लीं१) आमंत्रित की गई हैं।

नगर मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद आगरा में कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ 4.0) की स्थापना और प्रबंधन हेतु ई-टेंडर पोर्टल के जरिए 02 डीएसपी संस्थाओं का चयन किया जाना है। इस ई-निविदा प्रक्रिया के अंतर्गत प्रकाशित आरएफपी के सापेक्ष इच्छुक निविदादाता अपने सभी आवश्यक तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव (प्रपत्र) व विवरण ई-टेंडर पोर्टल (ँ३३स्र२ःं//ाईील्लीं१.४स्र.ल्ल्लू.ल्ल) तथा जनपद आगरा की आधिकारिक वेबसाइट (ँ३३स्र२ःं//ं१.ल्ल्लू.ल्ल) से दिनांक 04 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक डाउनलोड कर ई-टेंडर पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं।

नगर मजिस्ट्रेट ने निविदा संबंधी नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि आरएफपी प्रपत्र (निविदा शुल्क) की नॉन-रिफंडेबल धनराशि 20,000 रुपये (बीस हजार रुपये मात्र) + 18% जीएसटी निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त धरोहर राशि (एटऊ) 5,00,000 रुपये (पांच लाख रुपये मात्र) होगी। यह धनराशि 'डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसाइटी / लोकवाणी सोसाइटी, आगरा' के नाम देय होगी। इच्छुक एवं अर्ह संस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने आवेदन ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

ट्रैक्टर में टक्कर के बाद खूनी बवाल, चालक पर तानी पिस्टल

कार की टक्कर के बाद मारपीट और फायरिंग, नौ पर मुकदमा।

- खड़े ट्रैक्टर में कार ने मारी टक्कर, विरोध पर चालक को पीटा
- प्रवेश और धोनी पंडित पर फायरिंग का आरोप, गोली सिर के ऊपर से निकली
- नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र में सोमवार की शाम खड़े ट्रैक्टर में कार ने टक्कर मारी चालक को पीटा विरोध करने पर तमंचे व पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग की इस दौरान ट्रैक्टर चालक बाल-बाल बचा, पीड़ित की तहरीर पर छः नामजद सहित तीन अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमले में मुकदमा दर्ज किया गया।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के हिमायूंपुर गूजर निवासी सौरभ पुत्र वीरभान ने बताया कि सोमवार की रात 7:55 बजे के करीब फतेहाबाद- रिहावली मार्ग पर हिरनपुरा के पास खाद डालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। तभी अपने साथ के लोगों के आने का इंतजार कर रहा था। तभी फतेहाबाद की तरफ से ब्रीजा व अर्टिगा गाड़ी आ रही थी तभी ब्रीजा ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी और दोनों गाड़ियों में से आधा दर्जन से अधिक लोग उतरे और गाली गलौज करते हुए मेरे साथ मारपीट करने लगे विरोध करने पर प्रवेश व धोनी पंडित ने तमंचा और पिस्टल निकालकर अंधाधुंध फायरिंग की इस दौरान गोली मेरे सिर के ऊपर से निकल गई। तभी मेरे साथी जितेंद्र उर्फ भोला ने जमीन पर गिरकर जान बचाई और हमने शोर मचाया तो आसपास के लोग बचाने के लिए दौड़े तभी हमलावर भाग गए पीड़ित के द्वारा प्रवेश पुत्र जीतबहादुर ,उमेश पुत्र उम्मेद सिंह, राज पुत्र चरण सिंह निवासी पुरागूगरन, विकास कपासिया निवासी मोहनपुर, धोनी पंडित निवासी प्रतापपुरा, विशाल सहित तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं पुलिस के द्वारा ताबड़तोड़ दबिश दी जा रही है।जहां मौके से पुलिस को एक अन्य हथियार के खोखा 315 बोर बरामद हुए हैं। वहीं पीड़ित सौरभ का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद से बात करने पर बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आगरा मेट्रो ने हासिल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि

959 यात्रियों के बराबर भार के साथ प्री-फ्लरड ऑसिलेशन टेस्टिंग शुरू, 80 किमी/घंटा की गति पर परखा गया मेट्रो ट्रेन का संचालन सैंड बैग के माध्यम से ट्रेन में वास्तविक यात्री भार जैसी स्थिति तैयार कर किया गया परीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।



उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) की आगरा मेट्रो परियोजना ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आगरा मेट्रो के द्वितीय कॉरिडोर पर प्री-फ्लरड (फीरींदूँ ओ्रल्ल२ ंल्लि र३ंल्लि१ि२ ड१ँल्ल२ं३ङ्मल्ल/ अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन) ऑसिलेशन टेस्टिंग का कार्य आज सफलतापूर्वक किया गया। यह परीक्षण डिपो के एंट्री रैंप से सदर बाजार मेट्रो स्टेशन के बीच किया गया इस परीक्षण के जरिए यात्रियों के भार के साथ मेट्रो ट्रेन के प्रदर्शन, स्थिरता और तकनीकी व्यवहार का आंकलन किया गया। परीक्षण के दौरान ट्रेन में सैंड बैग रखकर वास्तविक यात्री भार जैसी स्थिति तैयार की गई। ट्रेन में कुल 959 यात्रियों के बराबर भार (लगभग 60-80 टन) रखा गया।

इस दौरान मेट्रो ट्रेन को 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति पर चलाया गया प्री-फ्लरड ऑसिलेशन टेस्टिंग मेट्रो ट्रेन के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रक्रिया है। इस परीक्षण के माध्यम से ट्रेन की विभिन्न परिचालन परिस्थितियों में स्थिरता और प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। इस ट्रायल रन से मुख्यतः ट्रैक एवं सिविल संरचना (स्ट्रक्चर) की मजबूती एवं स्थिरता का आंकलन किया जाता है, जिसमें सब कुछ सही पाया गया एवं ये ट्रायल सफल रहा

यह परीक्षण आगरा मेट्रो के द्वितीय कॉरिडोर पर यात्री सेवाएं शुरू करने की तैयारियों में एक अहम कदम साबित हुआ आगरा मेट्रो का द्वितीय कॉरिडोर (आगरा कैंट से कालिंदी विहार) पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इस रूट आगरा कैंट, सदर बाजार, प्रतापपुरा और कलेक्ट्रेट मेट्रो स्टेशनों पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। एमजी रोड से कालिंदी विहार तक के शेष हिस्से में भी सिविल निर्माण कार्य जारी है। संजय प्लेस, एमजी रोड, सुल्तानगंज क्रॉसिंग, कमला नगर, रामबाग, फाउंड्री नगर, मंडी समिति और कालिंदी विहार सहित प्रमुख क्षेत्रों में मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए कार्य किया जा रहा है

आगरा मेट्रो का उद्देश्य शहर के प्रमुख व्यावसायिक, आवासीय एवं पर्यटन क्षेत्रों को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना है। निर्माण कार्यों के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी परीक्षणों के माध्यम से मेट्रो संचालन की तैयारियों को भी आगे बढ़ाया जा रहा है।

सेठ पदम चंद जैन संस्थान द्वारा 'यूनिवर्सिटी हाट' का आयोजन

- डॉ. भीमराव आबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में सामाजिक सरोकारों की अनूठी पहल
- 10 रुपये की न्यूनतम दर पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जाएंगी दैनिक उपयोग की वस्तुएं; कपड़े, जूते, बैग और घरेलू सामान होंगे उपलब्ध
- विद्यार्थियों में सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने के उद्देश्य से की गई पहल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के गौरवशाली शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में अब सामाजिक सरोकारों और सामुदायिक सहभागिता को समर्पित एक अनूठी पहल की जा रही है। खेलकूद, संस्कृति और साहित्य के उत्सव 'युवोत्सव' (यूनिफेस्ट) की सफलता के बाद विश्वविद्यालय के सेठ पदम चंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा जरूरतमंदों और वंचित वर्ग की मदद हेतु 'यूनिवर्सिटी हाट' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस साझा सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी से प्रेरित पहल के अंतर्गत जरूरतमंद एवं गरीब वर्ग के लोगों को बेहद किफायती और रियायती दरों पर दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हाट में कपड़े, जूते-चप्पल, बैग, बेडशीट, आर्टिफिशियल ज्वेलरी तथा घरेलू उपयोग का विभिन्न सामान रखा जाएगा, जिसकी शुरूआती कीमत मात्र 10 रुपये निर्धारित की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष की खुशियों को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचाना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना है।

संस्थान प्रशासन के अनुसार, इस आयोजन का मुख्य ध्येय केवल सामग्री वितरण तक सीमित न होकर विद्यार्थियों में सेवाभाव, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की भावना को व्यावहारिक रूप से विकसित करना है।

यह आयोजन आज प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न होगा।

एक साल से नहीं मिली पेंशन, लाभार्थी लगा रहे अधिकारियों के चक्कर

पिनाहट। क्षेत्र में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से नहीं पहुंच पा रहा है। वृद्धावस्था, दिव्यांग और विधवा पेंशन के कई मामले महीनों से लंबित हैं। कुछ पेंशनधारकों के खातों में छह माह से अधिक समय से पेंशन नहीं पहुंची है, जबकि कुछ लाभार्थी एक साल से पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के आवेदन भी ब्लॉक, तहसील और जिला स्तर पर लंबित पड़े हैं।

मंगलवार को जिलाधिकारी दिवस पर जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय में ग्राम पंचायत विप्रावली के ग्राम प्रधान एवं प्रधान संघ पिनाहट के अध्यक्ष ठाकुर देवानंद परिहार ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि जिला समाज कल्याण विभाग, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग और जिला प्रोबेशन विभाग से संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को समय से नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के भ्रमण और ग्रामसभा की बैठकों के दौरान सबसे अधिक शिकायतें इन्हीं विभागों से संबंधित मिल रही हैं। वृद्ध, दिव्यांग, निराश्रित महिलाएं और जरूरतमंद लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ब्लॉक और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। शासन की ओर से पात्र लाभार्थियों को समय से योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए जाने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है।

प्रधान संघ अध्यक्ष ने जिलाधिकारी से मांग की कि संबंधित विभागों की संयुक्त समिति गठित कराकर लंबित आवेदनों और रुकी हुई पेंशन की जांच कराई जाए।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

अंत्योदय से जनभागीदारी तक

आगरा कैंट में मजबूत जमीनी नेतृत्व की पहचान 'ज्योति दीदी'



- आगरा कैंट की बेटी ज्योति सिंह का दो दशकों का सामाजिक सफर, महिला सशक्तीकरण, युवा नेतृत्व और समुदाय को विकास का सक्रिय भागीदार बनाने की पहल।

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा छावनी के वार्ड संख्या 4 की एक संकरी गली में आज लगभग 180 महिलाएँ और बेटियाँ एकत्र हुईं। अवसर था सामाजिक नवाचारकर्ता ज्योति सिंह ह्यज्योति दीदीह्ल की पहल पर आयोजित युवा एवं महिला संवाद का। सीमित जगह और साधारण व्यवस्थाओं के बावजूद इतनी बड़ी भागीदारी उनके लंबे सामाजिक जुड़ाव और स्थानीय समुदाय के विश्वास को दशार्ती है।

संवाद में बालिका शिक्षा, महिला स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, सुरक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर चर्चा हुई। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और सुकन्या समृद्धि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति और महिला सुरक्षा हेल्पलाइन के बारे में भी बताया गया, ताकि महिलाएँ अपने अधिकारों और उपलब्ध सहायता व्यवस्थाओं को समझ सकें।

कार्यक्रम में महिलाओं और बेटियों ने अपनी समस्याएँ रखीं तथा बच्चों की शिक्षा, परिवार की जरूरतों और बेहतर भविष्य से जुड़े सवाल साझा किए। यह संवाद केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिलाओं को अपनी बात रखने और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अवसर भी बना।

आगरा कैंट ज्योति सिंह की जन्मभूमि भी है और कर्मभूमि भी। पिछले दो दशकों से वे यहाँ की बस्तियों, स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं, किशोरियों और युवाओं के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही हैं। दलित और वंचित परिवारों के लोग उन्हें स्नेह से ह्यज्योति दीदीह्ल कहते हैं। यह संबोधन उनके लंबे सामाजिक जुड़ाव और लोगों के साथ बने आत्मीय रिश्ते की पहचान है।

ज्योति सिंह की पहचान एक ऐसी जमीनी सामाजिक नवाचारकर्ता के रूप में बनी है, जो समुदाय के भीतर बदलाव की क्षमता विकसित करने पर काम करती हैं। उनकी कार्यपद्धति लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ उन्हें अपनी समस्याएँ समझने, निर्णय लेने और समाधान की पहल करने के लिए सक्षम बनाने पर केंद्रित है। उनका उद्देश्य समुदाय को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने विकास की दिशा तय करने वाला सक्रिय भागीदार बनाना है।

महिलाओं के साथ उनका प्रयास आत्मविश्वास, जागरूकता और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करना है। युवाओं को लेकर वे समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी, पहल करने का साहस और नेतृत्व की भावना विकसित करने पर जोर देती हैं। उनका प्रयास है कि युवा शिक्षा, स्वच्छता, सामाजिक समरसता, समान अवसर और सामुदायिक विकास जैसे व्यापक विषयों पर सोचें, संवाद करें और समाधान का हिस्सा बनें। वे उन्हें केवल बदलाव का साक्षी नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाला सक्रिय नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

उनकी कार्यदृष्टि का मूल विचार है–लाभार्थी से जागरूक भागीदार और भागीदार से सामुदायिक नेतृत्वकर्ता बनने की प्रक्रिया को मजबूत करना। उनका मानना है कि योजनाओं की पहुँच जरूरी है, लेकिन विकास तभी स्थायी बनता है जब लोग अपने अधिकारों को समझें, निर्णयों में भाग लें और अपने समुदाय की बेहतरी के लिए स्वयं आगे आएँ।

यह दृष्टिकोण अंत्योदय, सामाजिक न्याय, नारी शक्ति और जनभागीदारी जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ता है। विकसित भारत का संकल्प भी तभी मजबूत होगा, जब विकास के अवसर समाज के हर वर्ग तक पहुँचें और लोग स्वयं इस प्रक्रिया के भागीदार बनें।

वार्ड संख्या 4 की उस संकरी गली में जुटी महिलाओं और बेटियों की भागीदारी इसी सोच का जमीनी उदाहरण है। ज्योति सिंह का प्रयास जागरूकता को आत्मविश्वास, भागीदारी को जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव को नेतृत्व में बदलने का है। अंत्योदय से जनभागीदारी और जनभागीदारी से मजबूत स्थानीय नेतृत्व तक का यही सफर विकसित भारत की जमीनी नींव है।

आर.बी.एस. कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय, आगरा के छात्र कल्याण भवन में भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप (SVEEP – Systematic Voters' Education and ElectorÔl Participation) के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में ईआरओ नीलम तिवारी, एई आरओ सतीश कुमार तथा पर्यवेक्षक विकास त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. श्रीवास्तव ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मतदान केवल नागरिक का अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं मतदान के प्रति जागरूक बनें तथा अपने परिवार, आसपास के लोगों और समाज को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। श्रीमती तिवारी ने कहा निष्पक्ष, निर्भीक एवं जागरूक मतदान से ही लोकतंत्र मजबूत होता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (Electoral Literacy Club) की नोडल अधिकारी व विश्वविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी तथा सदस्य डॉ. प्रमेश पाल डॉ. अक्षय कुमार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तरुण कांत पाठक, डॉ. अम्बरीष कुमार, डॉ. दिनेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. अम्बरीष कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम में प्रो. बी.बी. सिंह, प्रो. हरिश्चन्द्र, डॉ आनंद पाराशर, डॉ. सुरेश कुमार सिंह एवं दीपक गौतम सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूकता विकसित करना, मतदाता सूची में पंजीकरण के प्रति प्रेरित करना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मतदान संस्कृति को सुदृढ़ करना रहा।

समृद्ध महिला ही समृद्ध भारत की मजबूत नींव

महिला उद्यमियों को मिला सम्मान, आत्मनिर्भरता के संकल्प को मिली नई उड़ान



- सौभाग्य विजन संस्था के महिला उद्यमी संगम में 50 महिला उद्यमियों को किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सौभाग्य विजन संस्था की ओर से महिला उद्यमी संगम कार्यक्रम का आयोजन करकुंज चौराहा स्थित डी-जेल हाउस में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा नेता नीरज गुप्ता, पुष्कल गुप्ता, ज्योतिषाचार्य अरविंद मिश्रा और संरक्षक निर्मला रानी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि नीरज गुप्ता ने कहा कि समृद्ध महिला ही समृद्ध भारत की मजबूत नींव है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उनके हुनर और हस्तशिल्प उत्पादों को ह्यलोकल फॉर वोकलह्ल अभियान के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाना आवश्यक है। महिलाओं को समय-समय पर आयोजित प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करना चाहिए।

संस्थापिका पल्लवी महाजन ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके हुनर को पहचान दिलाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पिछले एक वर्ष से महिलाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान किया जा रहा है।

संस्था का उद्देश्य महिलाओं के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारना और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाना है। इसके लिए महिलाओं को कौशल विकास संबंधी कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है, वहीं युवतियों को करियर एवं बिजनेस गाइडेंस भी प्रदान की जा रही है। प्रत्येक महिला में अपनी अलग पहचान बनाने की क्षमता है। आवश्यकता है उसे सही मार्गदर्शन, अवसर और प्रोत्साहन देने की। विभिन्न क्षेत्रों में अपने उद्यम के माध्यम से पहचान स्थापित करने वाली 50 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह ने महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने, नए व्यवसाय शुरू करने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर डॉ. सपना गोयल, रीना पवार, रितु वर्मा, राखी टंडन, बिनूता जादौन, एड. अलका वर्मा, मोना गौतम, प्रियांका दुबे, दीप्ति चौहान, अदिति, रितु, सीए हर्ष गुप्ता, राजदीप ग्रोवर आदि मौजूद रहे।



सुलोचना सती के मार्मिक मंचन ने भावुक किए श्रद्धालु, मेघनाथ वध से गूंज उठा रामलीला परिसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित रामलीला महोत्सव में मंगलवार शाम सुलोचना सती और मेघनाथ वध की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। मेघनाथ वध के रोमांचक दृश्य ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं पति मेघनाथ के वध के बाद सुलोचना के सती होने के मार्मिक प्रसंग ने दर्शकों को भावुक कर दिया। मंचन के दौरान श्रीराम की सेना और राक्षसों के बीच हुए भीषण युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। मेघनाथ के वध के साथ ही पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। वहीं सुलोचना के त्याग, समर्पण और पतिव्रता धर्म को दशार्ते मार्मिक दृश्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के आदर्शों और धर्म की विजय के संदेश को आत्मसात किया। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, देवेंद्र गुप्ता, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, उमेश दीक्षित, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह, योगेश यादव, चौधरी दिनेश सिंह, पंडित सोनू शर्मा एवं पुष्पेन्द्र सिंह सिकरवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचन श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज के निर्देशन में मंडली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

11 वर्षीय बच्ची की पीठ से निकाली वर्षों पुरानी विशाल गांठ

Fibrolipoma के रूप में हुई गांठ की पहचान



- प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने टीम को दी बधाई; परिजनों ने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के प्रति जताया आभार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एस.एन. मेडिकल कॉलेज), आगरा के सर्जरी विभाग ने एक बार फिर अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक अंजाम देकर अपनी दक्षता का लोहा मनवाया है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने 11 वर्षीय बालिका तमन्ना की पीठ पर पिछले 8 वर्षों से लगातार बढ़ रही एक विशाल गांठ का सफल ऑपरेशन कर उसे सुरक्षित बाहर निकाल दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालिका की पीठ पर काफी कम उम्र से ही गांठ थी, जो समय के साथ बढ़कर विशाल रूप ले चुकी थी। इसके चलते बच्ची को उठने-बैठने और दैनिक कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। परिजन इलाज के लिए कई निजी व अन्य अस्पतालों के चक्कर काट चुके थे, लेकिन ऑपरेशन को अत्यधिक जोखिमपूर्ण मानकर डॉक्टरों ने उन्हें रेफर कर दिया था।

अंततः परिजनों ने एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में संपर्क किया। यहाँ विभाग के प्लास्टिक सर्जन डॉ. पुनीत भारद्वाज एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने इस चुनौतीपूर्ण मामले को स्वीकार करते हुए बच्ची का सफल ऑपरेशन किया। चिकित्सकीय भाषा में इस गांठ की पहचान 'फाइब्रोलिपोमा' (ह्यह्वह्लद्धस्रद्बह्लद्ध) के रूप में हुई है।

ऑपरेशन के उपरांत प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज हर प्रकार के जटिल और गंभीर मामलों के निःशुल्क व गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संस्थान का सदैव यही उद्देश्य रहता है कि अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद मरीज को भी विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सके।

सफल ऑपरेशन के बाद बच्ची की स्थिति पूरी तरह स्थिर है और वह तेजी से स्वास्थ्य लाभ ले रही है। बच्ची को नया जीवन मिलने पर उसके परिजनों ने प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता, डॉ. पुनीत भारद्वाज तथा पूरी मेडिकल टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

आगरा में धारा-163 लागू

आगरा। दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा और गुरु नानक जयंती सहित आगामी पर्वों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के दृष्टिगत कमिश्नरेट आगरा में तत्काल प्रभाव से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 (इठरर) की धारा-163 लागू कर दी गई है। अपर पुलिस आयुक्त/कार्यपालक मजिस्ट्रेट श्री सचिन्द्र पटेल द्वारा जारी यह निषेधाज्ञा आदेश 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक पूरे नगर व देहात क्षेत्र में प्रभावी रहेगा।

अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि त्यौहारों के दौरान असामाजिक व अराजक तत्वों द्वारा शांति व्यवस्था प्रभावित करने की आशंका को देखते हुए आम जनमानस, पर्यटकों और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा हेतु यह एकपक्षीय आदेश जारी किया गया है। निषेधाज्ञा के अंतर्गत लागू मुख्य दिशा-निर्देश एवं प्रतिबंध:

समूह एवं प्रदर्शन पर रोक: बिना पूर्वानुमति के 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का समूह एक स्थान पर एकत्र नहीं होगा। बिना अनुमति किसी प्रकार के जुलूस, झांकी या प्रदर्शन के आयोजन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

यातायात व अतिक्रमण: सड़कों या दुकानों के बाहर अवैध फड़/ठेले लगाने और यातायात बाधित करने पर रोक रहेगी। सड़कों पर ईंट, पत्थर या कांच की बोतलें एकत्र करना दंडात्मक अपराध होगा।

ध्वनि विस्तारक व साउंड ट्रॉली बैन: शहर में मेट्रो व सड़क निर्माण कार्यों और ध्वनि प्रदूषण के दृष्टिगत बैंड-बाजे के साथ चलने वाली साउंड ट्रॉली को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। लाउडस्पीकर व डीजे का प्रयोग माननीय उच्च न्यायालय तथा ध्वनि प्रदूषण नियमावली-2000 द्वारा निर्धारित डेसीबल सीमाओं के अधीन ही अनुमन्य होगा। सुरक्षा एवं पार्किंग नियम: सार्वजनिक स्थलों, मॉल, सिनेमाघर या व्यावसायिक परिसरों में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। ऐसा वाहन दिखने पर तत्काल संबंधित थाने को सूचित करना अनिवार्य होगा।

डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बालिकाओं से किया सीधा संवाद

- 100 छात्राओं के साथ बैठकर जानीं उनकी भविष्य की योजनाएं
- स्वास्थ्य केंद्र में सफाई व्यवस्था पर जताई संतुष्टि; डॉक्टरों की कमी पर जताई नाराजगी, सुधार के दिए सख्त निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को जनपद आगरा के बरौली अहीर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, प्रसव व्यवस्थाओं और आवासीय विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया।

सीएचसी बरौली अहीर का निरीक्षण और सख्त निर्देश:

महिला आयोग अध्यक्ष ने सीएचसी में साफ-सफाई की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों की कमी पर नाराजगी प्रकट की। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की कमी के बावजूद उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं, किंतु इसमें और अधिक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सकों की उपलब्धता जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए और आमजन, विशेषकर महिलाओं को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएं। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित कुमार पांडेय ने अध्यक्ष महोदया का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. देवेंद्र सिंह, संजय शर्मा, सतीश यादव, डॉ. ज्ञानधरी परिहार, अंवेश कुमारी व कल्पना कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।



कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं से संवादः

सीएचसी के उपरांत डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बरौली अहीर का भ्रमण किया। वहां उन्होंने अध्ययनरत 100 बालिकाओं के साथ बैठकर उनकी शिक्षा, करियर और भविष्य की योजनाओं पर आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यालय की पठन-पाठन, भोजन, आवासीय व्यवस्थाओं तथा बालिकाओं द्वारा निर्मित शैक्षणिक टीएलएम सामग्री का निरीक्षण किया। शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जगत सिंह, वार्डन छाया शर्मा, प्रियंका शर्मा, रेखा, अंकिता और अंजलि मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

बरेली में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का सियासी तमाशा

उत्तर प्रदेश के बरेली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा हाल ही में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा ने भारतीय राजनीति के उस सबसे बड़े विरोधाभास को फिर से बेनकाब कर दिया है जहां डबल इंजन की पूर्ण बहुमत वाली सरकार चलाने वाले हुक्मरान खुद को विपक्ष की तरह सड़कों पर उतरा हुआ पाते हैं। केंद्र से लेकर राज्य तक सत्ता के सर्वोच्च सिंहासन पर काबिज पार्टी यदि यह मानकर पदयात्राएं निकालने लगे कि लोकतंत्र खतरे में है, तो आम जनता के मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि फिर शासन चलाने की वास्तविक जिम्मेदारी किसकी है। विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और रैलियों की काट के रूप में सत्ता पक्ष द्वारा इस प्रकार का शक्ति प्रदर्शन करना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राजनीतिक दल जमीन पर जनता के साथ सीधा संवाद खो चुके हैं और केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए आयोजनों की होड़ में लगे हैं। जब देश और प्रदेश की पूरी बागडोर आपके हाथ में है, कानून-व्यवस्था से लेकर प्रशासनिक मशीनरी आपकी मुट्ठी में है, तो फिर सड़क पर उतरकर 'अराजकता हटाने' का नारा देने का यह नाटक किस बात का प्रतीक है। यदि व्यवस्था में कहीं कोई अराजकता या प्रशासनिक नाकामी है, तो उसे भाषणों और रैलियों से नहीं बल्कि अपनी कार्यप्रणाली को सुधारकर और जनता को ठोस परिणाम देकर दूर किया जाना चाहिए, न कि विपक्ष की तर्ज पर आंदोलनजीवी बनकर। सत्ता पक्ष का यह अंदाज ऐसा ही है जैसे राजा खुद सिंहासन पर बैठकर अपनी ही व्यवस्था के खिलाफ फरियाद लेकर सड़क पर जुलूस निकालने लगे और अपनी ही विफलता पर पर्दा डालने का प्रयास करे। जब सत्ताधारी दल स्वयं विपक्ष की भाषा बोलने लगे और वही पुरानी बयानबाजी दोहराने लगे, तो जनता को यह समझ नहीं आता कि वह अपनी शिकायतों का निवारण कराने के लिए आखिरकार किस दरवाजे पर दस्तक दे। देश की जनता सब जानती है और वह भली-भांति समझती है कि जब शासक दल ही विपक्ष की भूमिका ओढ़कर तमाशा करने लगे, तो फिर आम आदमी की वास्तविक समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई और विकास के कार्यों का समाधान करने के लिए किसके पास समय बचेगा।

धरना आपका अधिकार, लेकिन बाजार बंद करना किसका अधिकार?

बृज खंडेलवाल



क्या लोकतंत्र में धरना देने का मतलब सड़क, मैदान और सार्वजनिक जगहों पर अनिश्चितकालीन कब्जा है? क्या एक संगठन की आवाज इतनी बुलंद हो सकती है कि हजारों लोगों की रोजी-रोटी दबकर रह जाए? और क्या विरोध के नाम पर दूसरों के अधिकारों को कुचलना भी लोकतांत्रिक आजादी कहलाएगा?

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इसी पेचीदा सवाल पर अहम टिप्पणियां कीं। दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पर लंबे समय से चल रहे प्रदर्शनों के संदर्भ में अदालत ने साफ संकेत दिया कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार असीमित नहीं हो सकता।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि निर्धारित धरना स्थलों पर भी कोई संगठन अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं जमा सकता। आखिर एक ही संगठन को हमेशा वहां बैठे रहने का अधिकार कैसे मिल सकता है?

मुख्य न्यायाधीश ने सवाल उठाया कि अगर एक समूह किसी धरना स्थल पर स्थायी डेरा डाल दे, तो किसान, पत्रकार, मजदूर संगठन और दूसरे नागरिक अपनी आवाज कहां उठाएंगे?

अदालत की टिप्पणी का सीधा मतलब है कि सार्वजनिक धरना स्थलों पर सबका बराबर हक है। कोई भी संगठन किसी मैदान को अपनी जागीर नहीं बना सकता। धरना देने की अनुमति भी निश्चित अवधि के लिए होनी चाहिए।

यह लोकतंत्र के लिए एक अहम संदेश है। विरोध का अधिकार जरूरी है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति पर अनिश्चितकालीन कब्जे का अधिकार किसी को नहीं मिल सकता।

यह मामला दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पर लंबे समय से चल रहे प्रदर्शनों से जुड़ा है। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध कर रहे हैं।

किराना कमेटी दिल्ली, दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन और अन्य व्यापारिक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

इनका कहना है कि लंबे धरनों से आसपास के व्यापारिक इलाकों में कारोबार प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों, कर्मचारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और रोज कमाकर खाने वाले लोगों की आजीविका पर चोट पड़ रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अधिवक्ता जय अनंत देहराई ने व्यापारिक संगठनों की तरफ से अदालत में पक्ष रखा।

व्यापारियों का सवाल जायज है। बाजार में ग्राहक नहीं आएगा, तो दुकानदार क्या बेचेगा? दुकान बंद होगी, तो कर्मचारी की तनख्वाह कहां से आएगी? गाड़ी नहीं चलेगी, तो चालक घर कैसे चलाएगा?

बात सिर्फ दुकानदार की नहीं है। बाजार की एक छोटी-सी दुकान से लेकर ट्रांसपोर्टर, मजदूर, ठेलेवाला और घरेलू कामगार तक सबकी रोजी-रोटी जुड़ी होती है। इस मामले में दो महत्वपूर्ण अधिकार आमने-सामने दिखाई देते हैं।

एक तरफ संविधान नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार देता है। दूसरी तरफ नागरिकों को अपना कारोबार करने और आजीविका कमाने का अधिकार भी हासिल है।

क्या एक अधिकार की रक्षा के नाम पर दूसरे अधिकार का गला घोंटा जा सकता है?

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इसी संतुलन की जरूरत बताती हैं। अदालत ने धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाने की बात नहीं कही है। उसने सवाल उठाया है कि विरोध की आजादी की भी कुछ वाजिब हदें होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि प्रदर्शन आयोजित करने वाले संबंधित संगठनों को भी मुकदमे में पक्षकार बनाया जाए। अदालत का मानना है कि सभी संबंधित पक्षों को सुनना जरूरी है।

इसका मतलब है कि मामला अभी विचाराधीन है। अदालत ने न तो धरनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है और न ही अंतिम फैसला सुनाया है।

सुनवाई के दौरान पुलिस कार्रवाई, हिरासत और प्रदर्शनकारियों के अधिकारों से जुड़े दूसरे मुद्दे भी सामने आए हैं। इन पहलुओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का असर दिल्ली से बाहर भी पड़ सकता है। देशभर में धरना-प्रदर्शन के लिए सार्वजनिक जगहों के इस्तेमाल पर नई बहस छिड़ सकती है।

सरकार और प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। धरना स्थलों की व्यवस्था पारदर्शी होनी चाहिए। सभी संगठनों को बराबर मौका मिले। समय सीमा तय हो और बाजार, अस्पताल, यातायात तथा आम नागरिकों की जिंदगी बेवजह अस्त-व्यस्त न हो।

लेकिन सरकारें भी इस फैसले की आड़ में विरोध की आवाज दबाने की कोशिश न करें। असहमति लोकतंत्र की जान है। सत्ता से सवाल पूछना कोई गुनाह नहीं।

आखिर लोकतंत्र कोई ऐसी बारात नहीं, जिसमें एक ही बैंड-बाजा हमेशा बजता रहे और बाकी लोग सड़क किनारे खड़े तमाशा देखते रहें। धरना दीजिए, आवाज उठाइए, सरकार को घेरिए। मगर दूसरों की रोजी-रोटी पर ताला लगाकर नहीं।

लोकतंत्र में विरोध का हक सबको है, लेकिन सार्वजनिक मैदान किसी की निजी जागीर नहीं। आजादी के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है।

पुरानी पेंशन : दूर की कौड़ी या राजनीतिक इच्छाशक्ति और कर्मचारी एकजुटता की परीक्षा?

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम

लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी परिणाम के संदर्भ में दलगत राजनीति, शिक्षक-कर्मचारी समाज की प्राथमिकताओं और पुरानी पेंशन आंदोलन की भविष्य की दिशा पर गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है।

पुरानी पेंशन (डढर) का प्रश्न आज देश के लाखों शिक्षकों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। यह केवल सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आर्थिक सुविधा का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और सरकार के प्रति कर्मचारी के विश्वास का प्रश्न है। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश के हालिया आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में पेंशन का मुद्दा जिस प्रकार चुनावी व्यवहार में प्रभावी रूप से दिखाई नहीं दिया, उसने अनेक गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु का निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ना इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण था। उनका प्रयास था कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शिक्षक-कर्मचारी और स्नातक समाज के पेंशन संबंधी प्रश्न को विधान परिषद में प्रभावी आवाज मिले। लेकिन चुनाव परिणाम ने यह विचार करने का अवसर दिया है कि किसी मुद्दे के प्रति सार्वजनिक समर्थन और उस मुद्दे के पक्ष में वास्तविक मतदान, दोनों अलग-अलग बातें हैं।

क्या पुरानी पेंशन वास्तव में स्नातक समाज की प्राथमिकता नहीं रह गई है? अथवा राजनीतिक दलों के प्रति निष्ठा ने मुद्दों पर आधारित स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है? इन प्रश्नों पर निष्पक्ष विचार आवश्यक है।

यह मानना उचित नहीं होगा कि पुरानी पेंशन का मुद्दा राजनीतिक दलों के लिए अप्रासंगिक है। पिछले कुछ वर्षों में यह मुद्दा कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारों ने एनपीएस से पुरानी पेंशन व्यवस्था की ओर लौटने की घोषणा अथवा निर्णय किया। झारखंड भी इस दिशा में कदम उठाने वाले राज्यों में शामिल रहा है।

10 अगस्त 2026 को लोकसभा में दिए गए वित्त मंत्रालय के जवाब के अनुसार राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने एनपीएस से ओपीएस में लौटने के संबंध में केंद्र सरकार अथवा पीएफआरडीए को सूचित किया था। हालांकि, इन राज्यों में निर्णय की घोषणा, प्रशासनिक क्रियान्वयन और पेंशन निधि के हस्तांतरण की स्थिति एक जैसी नहीं है। इसलिए सभी राज्यों में पुरानी पेंशन पूरी तरह लागू हो जाने का दावा करना उचित नहीं होगा।

कर्नाटक में भी पुरानी पेंशन और सुनिश्चित पेंशन को लेकर नीतिगत चर्चाएँ तथा कर्मचारी संगठनों की मांगें रही हैं। हालांकि, उसे केंद्र को एनपीएस से ओपीएस में वापसी की सूचना देने वाले उपर्युक्त पांच राज्यों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

इन उदाहरणों से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली, पुरानी पेंशन की मांग केवल कर्मचारी संगठनों का आंदोलन नहीं रही, बल्कि राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे तक पहुंची है। दूसरी, चुनावी घोषणा और वास्तविक सरकारी क्रियान्वयन के बीच अंतर हो सकता है। राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों में पुरानी पेंशन अथवा सुनिश्चित पेंशन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाई देना कर्मचारियों के लिए आशा का विषय है। लेकिन कर्मचारियों को केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उन्हें यह देखना चाहिए कि सत्ता में आने के बाद संबंधित दल ने क्या आदेश जारी किए, कितने कर्मचारियों को लाभ मिला और योजना लागू करने में क्या बाधाएं सामने आईं। उत्तर प्रदेश में भी पुरानी पेंशन का प्रश्न लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय है। समाजवादी पार्टी ने विभिन्न अवसरों पर पुरानी पेंशन बहाली के पक्ष में सकारात्मक रुख व्यक्त किया है। विशेष रूप से 28-29 सितंबर 2026 को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में प्रदेश में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी और इसे पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में स्थान दिया जाएगा। यह वक्तव्य विधान परिषद के शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव की राजनीतिक पृष्ठभूमि में आया था।

इस प्रकार पेंशन का प्रश्न उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी स्पष्ट रूप से उपस्थित है। किसी दल का ऐसा सकारात्मक वक्तव्य कर्मचारियों के बीच विश्वास पैदा कर सकता है और उसे राजनीतिक लाभ भी मिल सकता है। हालांकि, किसी एक चुनाव के परिणाम को केवल पेंशन संबंधी बयान का परिणाम मानना उचित नहीं होगा। प्रत्याशी की व्यक्तिगत लोकप्रियता, संगठन, स्थानीय समीकरण और अन्य मुद्दे भी मतदान को प्रभावित करते हैं।

राजनीतिक दलों से अपेक्षा होनी चाहिए कि वे पेंशन पर अपना स्पष्ट, लिखित और समयबद्ध दृष्टिकोण प्रस्तुत करें। केवल चुनाव के समय सकारात्मक वक्तव्य देना पर्याप्त नहीं है।

हालिया आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव परिणाम इस बहस को और महत्वपूर्ण बनाता है। चुनाव में भाजपा के डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह को 42,743 तथा समाजवादी पार्टी के शशांक यादव को 27,734 मत मिले। इस चुनाव में अटेवा से जुड़े पुरानी पेंशन आंदोलन के प्रमुख चेहरे विजय कुमार बंधु का निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरना भी चर्चा का विषय रहा।

उनका मूल तर्क था कि शिक्षक-कर्मचारी के मुद्दों को किसी राजनीतिक दल की सीमाओं में बांधने के बजाय स्वतंत्र रूप से विधान परिषद में उठाया जाना चाहिए। यदि उनका उद्देश्य केवल विधान परिषद का सदस्य बनना होता, तो वे किसी राजनीतिक दल के माध्यम से भी चुनाव लड़ने का प्रयास कर सकते थे। लेकिन निर्दलीय रूप में चुनाव लड़ने के पीछे पेंशन आंदोलन की स्वतंत्र आवाज को सदन तक पहुंचाने की भावना बताई गई।

यहां एक महत्वपूर्ण सवाल है। यदि शिक्षक और कर्मचारी पुरानी पेंशन के लिए लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं, तो क्या चुनाव के समय उनका मतदान भी उसी मुद्दे के अनुरूप होना चाहिए?

इसका उत्तर इतना सरल नहीं है। प्रत्येक मतदाता को अपनी राजनीतिक पसंद, प्रत्याशी की योग्यता, विचारधारा और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार है। किसी शिक्षक का किसी निर्दलीय प्रत्याशी को वोट न देना यह प्रमाणित नहीं करता कि वह पुरानी पेंशन नहीं चाहता।

लेकिन यह जरूर विचारणीय है कि क्या पेंशन आंदोलन से जुड़े संगठनों ने अपनी मांग को चुनावी प्राथमिकता में बदलने के लिए पर्याप्त सामाजिक और संगठनात्मक प्रयास किए?

एक निर्दलीय प्रत्याशी के सामने राजनीतिक दलों के संगठित तंत्र, कार्यकर्ताओं, संसाधनों और स्थापित मतदाता आधार जैसी चुनौतियां रहती हैं। केवल लोकप्रियता और आंदोलनकारी पहचान से चुनावी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। इसके लिए व्यापक संगठन, निरंतर जनसंपर्क और मतदाताओं के बीच विश्वसनीय संवाद भी आवश्यक है।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की एक विशेषता यह है कि इसका मतदाता वर्ग केवल सरकारी कर्मचारी नहीं होता। इसमें विभिन्न व्यवसायों, संस्थानों और क्षेत्रों से जुड़े स्नातक शामिल होते हैं। शिक्षक समाज की एक विशिष्ट सामाजिक भूमिका है। प्रत्येक शिक्षक के जीवन में सैकड़ों विद्यार्थी आते हैं। वर्षों बाद यही विद्यार्थी स्नातक मतदाता बनते हैं। शिक्षक और पूर्व विद्यार्थियों के बीच सामाजिक संबंधों का उपयोग किसी सार्वजनिक मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के लिए किया जा सकता है।

यदि पुरानी पेंशन का प्रश्न वास्तव में शिक्षक-कर्मचारी समाज की सामूहिक प्राथमिकता है, तो उसे केवल कर्मचारी संगठनों की सभाओं और धरनों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, पूर्व छात्र संगठनों और सामाजिक मंचों पर भी इस विषय पर तथ्यात्मक चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, शिक्षक अपने पूर्व विद्यार्थियों को किसी विशेष प्रत्याशी को वोट देने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। लोकतंत्र में मतदान व्यक्तिगत अधिकार है। लेकिन पेंशन के विभिन्न मॉडलों, उनके लाभ और वित्तीय प्रभावों के बारे में जागरूक करना निश्चित रूप से उनकी सामाजिक भूमिका का हिस्सा हो सकता है।

निर्दलीय प्रत्याशी के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठन, संसाधन और चुनावी पहचान की होती है। राजनीतिक दलों के पास पहले से कार्यकर्ता, चुनाव प्रबंधन, क्षेत्रीय नेटवर्क और स्थापित मतदाता आधार होता है। इसके विपरीत निर्दलीय प्रत्याशी को अपना संगठन स्वयं खड़ा करना पड़ता है। कई बार किसी प्रत्याशी के प्रति शिक्षक-कर्मचारी समाज में सम्मान और व्यक्तिगत समर्थन तो दिखाई देता है, लेकिन वह समर्थन मतपत्रों में उसी अनुपात में परिवर्तित नहीं होता। इसका अर्थ यह नहीं कि निर्दलीय राजनीति अप्रासंगिक हो गई है। विधान परिषद के इतिहास में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अपनी पहचान बनाई है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में स्वतंत्र प्रत्याशी के लिए मुद्दे के साथ मजबूत संगठन, विश्वसनीय कार्यक्रम और व्यापक सामाजिक संवाद भी आवश्यक है।

विजय कुमार बंधु जैसे आंदोलनकारी व्यक्तित्वों के सामने भी यही चुनौती है कि आंदोलन की लोकप्रियता को स्थायी सामाजिक समर्थन में कैसे बदला जाए।

इस बहस का दूसरा पक्ष भी समझना जरूरी है। सरकारें पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर राजकोषीय दायित्व का तर्क देती हैं। 10 अगस्त 2026 को लोकसभा में दिए गए जवाब में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि केंद्र के स्तर पर ओपीएस बहाली का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने इसकी वजह राजकोष पर पड़ने वाला अस्थिर वित्तीय बोझ बताई।

पुरानी पेंशन के समर्थकों का तर्क है कि सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित और महंगाई के अनुरूप बढ़ने वाली पेंशन कर्मचारी को आर्थिक सुरक्षा देती है। वहीं इसके विरोध में राजकोषीय बोझ और भविष्य की पीढ़ियों पर पड़ने वाली वित्तीय जिम्मेदारी का प्रश्न उठाया जाता है।

इसलिए पेंशन की बहस को केवल राजनीतिक वादे और कर्मचारी आंदोलन के बीच सीमित नहीं रखा जा सकता। इसमें दीर्घकालीन वित्तीय स्थिरता, कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा, महंगाई, जीवन प्रत्याशा और सरकार की भविष्य की देनदारियों पर भी चर्चा जरूरी है।

सरकारों को कर्मचारियों की चिंताओं का समाधान केवल वित्तीय कठिनाइयों का हवाला देकर टालना नहीं चाहिए। इसी प्रकार कर्मचारी संगठनों को भी व्यवहार्य वित्तीय विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

समाजवादी पार्टी का पुरानी पेंशन बहाली के प्रति सकारात्मक वक्तव्य निश्चित रूप से इस मुद्दे को राजनीतिक विमर्श में बनाए रखने वाला है। लेकिन किसी दल के वादे का मूल्यांकन उसके पिछले कार्यकाल, वर्तमान घोषणाओं, वित्तीय योजना और भविष्य में जारी होने वाले सरकारी आदेशों के आधार पर होना चाहिए।

किसी दल को केवल घोषणा के कारण समर्थन देना या किसी दूसरे दल को केवल उसके विरोध के कारण खारिज करना, दोनों ही स्थितियों में मुद्दे की स्वतंत्र समीक्षा प्रभावित हो सकती है।

शिक्षक-कर्मचारी समाज को सभी राजनीतिक दलों से एक जैसे प्रश्न पूछने चाहिए। पुरानी पेंशन बहाली की स्पष्ट समयसीमा क्या है? इसके वित्तीय प्रबंधन की योजना क्या है? किन कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा? क्या सरकार बनने पर इस संबंध में बाध्यकारी सरकारी आदेश जारी किया जाएगा? क्या पेंशन के विषय पर राजनीतिक दल लिखित जवाबदेही स्वीकार करेंगे?

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब द्वारका में एक ही समय में भगवान हजारों रूपों में अपने सभी परिवारों के साथ उपस्थित हुए

श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध और विभिन्न दुर्लभ पौराणिक ग्रंथों के अध्यायों में भगवान श्रीकृष्ण की अष्टयाम लीला से जुड़ा यह अत्यंत पावन और अनसुना प्रसंग संपूर्ण सृष्टि में उनकी योगमाया के उस परम स्वरूप को उजागर करता है जिसे देखकर बड़े-बड़े ज्ञानी भी चकित रह जाते हैं।

द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण द्वारकापुरी में अपने विशाल महलों में निवास कर रहे थे और उनकी पटरानियों की संख्या सोलह हजार से अधिक थी तब देवर्षि नारद के मन में यह जानने की तीव्र जिज्ञासा हुई कि एक ही समय में भगवान अपने इतने सारे महलों और परिवारों के बीच किस प्रकार सामंजस्य बिठाते हैं।

इस रहस्य को प्रत्यक्ष देखने के लिए देवर्षि नारद घूमते हुए सबसे पहले द्वारका के रुक्मिणी जी के महल में पहुंचे और यह देखकर हैरान रह गए कि भगवान वहां अत्यंत प्रेम के साथ महारानी के साथ विश्राम कर रहे थे।

नारद जी वहां से तुरंत निकलकर सत्यभामा जी के महल में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि वहां भी भगवान श्रीकृष्ण पूरी तल्लीनता से सत्यभामा जी के साथ किसी गंभीर विषय पर विचार-विमर्श कर रहे थे।

नारद जी के मन का संशय और अधिक बढ़ गया और उन्होंने द्वारकापुरी के एक-एक करके सभी सोलह हजार एक सौ आठ महलों का भ्रमण किया तथा हर महल में यही आश्चर्यजनक दृश्य देखा कि भगवान श्रीकृष्ण हर पत्नी के पास अलग-अलग रूपों में उपस्थित थे।

किसी महल में भगवान अपने छोटे बालकों के साथ हंसी-ठिठोली कर रहे थे, किसी महल में वे यज्ञ और पूजन की तैयारियों में व्यस्त थे तो किसी अन्य महल में वे योगनिद्रा में लीन नजर आ रहे थे।

देवर्षि नारद अपनी इस अद्भुत यात्रा के बाद पूरी तरह अवाक रह गए और उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में नमन करते हुए उनकी इस अचिंत्य योगमाया को स्वीकार किया।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि सर्वव्यापी परमेश्वर अपनी योगमाया के बल पर एक ही समय में अनंत रूपों में प्रकट होकर अपने सभी भक्तों और आश्रितों की संभाल करने में पूर्णतः समर्थ हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 05 नवंबर 2026 गुरुवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल को जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष कर्क सिंह वृश्चिक और धनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन विष्णु मंदिर में जाकर भगवान को पीले पुष्प और चने की दाल का भोग लगाने तथा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और अटूट ऐश्वर्य तथा विद्या की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान विष्णु को पीले फूल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में चने की दाल दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। गुरु स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में पीले रंग की वस्तु भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान विष्णु का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को पीला वस्त्र दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में हल्दी की गांठ अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में बेसन के लड्डू का भोग लगाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। गुरुवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। गुरु चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान विष्णु के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

गुरुवार के दिन घर की ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां हल्दी का दीपक जलाने तथा मुख्य द्वार पर पीले फूलों की माला लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की कृपा से घर में बरकत, आरोग्य और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

तेल पाइपलाइन से चोरी करने वालों पर लगेगा एनएसए

19 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने वाली पुलिस टीम सम्मानित

- एसएसपी की अध्यक्षता में पुलिस और तेल कंपनियों की समन्वय बैठक
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने चार पुलिस अधिकारियों को दिए प्रशस्ति पत्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जनपद से होकर गुजरने वाली तेल पाइपलाइनों की सुरक्षा को लेकर मथुरा पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। भूमिगत पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचाने और तेल चोरी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अब कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे संगठित अपराधों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस सख्ती से तेल चोरी के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों में हड़कंप मचने की संभावना है।

मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की अध्यक्षता में पुलिस और विभिन्न तेल कंपनियों के अधिकारियों की जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की भूमिगत पाइपलाइनों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि पाइपलाइन से तेल चोरी या उसे क्षति पहुंचाने की किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। साथ ही पुलिस और तेल कंपनियों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक के दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्र पाइपलाइंस के मुख्य महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख शरद अग्रवाल ने सितंबर 2023 में सामने आए एसएमपीएल पाइपलाइन तेल चोरी मामले में मथुरा पुलिस की कार्रवाई की विशेष सराहना की। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी की करीब 19 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क की थी। उन्होंने कहा कि मथुरा पुलिस की यह कार्रवाई संगठित तेल चोरी के अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह कार्रवाई भविष्य में देशभर में पाइपलाइन से तेल चोरी के मामलों में पुलिस के लिए एक मानक साबित हो सकती है।

इस उल्लेखनीय कार्रवाई के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की ओर से एसएसपी श्लोक कुमार सहित चार पुलिस अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में एसएसपी श्लोक कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी और थाना फरह के तत्कालीन थानाध्यक्ष एवं वर्तमान में जैंत थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल शामिल रहे। शरद अग्रवाल ने सम्मानित अधिकारियों और उनकी टीम के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रभावी पुलिस कार्रवाई से पाइपलाइन सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही तेल चोरी जैसे संगठित अपराधों में शामिल अपराधियों को कड़ा संदेश जाएगा।

बैठक में मौजूद अधिकारियों ने जनपद से होकर गुजरने वाली सभी पेट्रोलियम पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए संयुक्त प्रयास करने और आपसी समन्वय को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई।

बैठक में तेल कंपनियों के बीपी पोद्दार, प्रवीण कुमार, टीएम शिवकुमार, पुष्प राज पटेल, नितिन अग्रवाल, योगेंद्र शर्मा, अंकुर चौहान और विपिन यादव सहित अन्य अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ब्रजवासियों के प्रेम और आतिथ्य से अभिभूत हुई राधारानी ब्रजयात्रा

बढ़ा गांव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- जिसके पास जो था, यात्रियों पर न्योछावर कर दिया

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



ब्रजवासियों का निश्छल प्रेम और अतिथि सत्कार आज भी भगवान श्रीकृष्ण के समय के अलौकिक प्रेम की याद दिलाता है। यहां अतिथि केवल अतिथि नहीं, बल्कि भगवान के स्वरूप माने जाते हैं। इसी प्रेम और समर्पण की अनुपम झलक मंगलवार को उस समय देखने को मिली, जब राधारानी ब्रजयात्रा रूपनगर से अगले पड़ाव बढ़ा गांव पहुंची। रास्ते में पड़ने वाले गांवों में ब्रजवासियों ने जिस आत्मीयता से यात्रियों का स्वागत किया, उससे पूरी यात्रा भावविभोर हो उठी। हर कोई अपने सामर्थ्य के अनुसार यात्रियों की सेवा कर पुण्य लाभ लेना चाहता था। किसी ने भोजन की व्यवस्था की तो किसी ने अन्य सेवाओं के माध्यम से अपना प्रेम प्रकट किया।

इस अवसर पर मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने ब्रजवासियों के निश्छल प्रेम और सेवा भावना की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रजभूमि जैसा निष्काम और निष्किंचन प्रेम संसार में दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि 'ऐसो को उदार जग मांही'। यहां के लोगों का प्रेम किसी स्वार्थ या अपेक्षा पर आधारित नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अगाध प्रेम और समर्पण से उपजा है। यात्रियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खाना-पीना, सोना-जागना, संतान उत्पन्न करना और उसे काम सिखा देना जैसे कार्य तो पशु भी कर लेते हैं। फिर मनुष्य और पशु में अंतर क्या रह गया? वास्तविक मनुष्य वही है, जो मानव जीवन प्रदान करने वाले परमात्मा को याद रखे और अपने जीवन को भगवत भक्ति में लगाए।

उन्होंने कहा कि संत रमेश बाबा महाराज ने 40 हजार गांवों में प्रभातफेरी का अभियान चलवाया। भगवान के नाम का प्रचार और प्रत्येक प्राणी तक भगवन्नाम पहुंचाना सभी साधनों में श्रेष्ठ है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में भगवन्नाम का आश्रय लेना चाहिए और दूसरों को भी नाम स्मरण के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बढ़ा गांव के भगवत प्रसाद ने यात्रा को अपने भट्टे पर ठहराया और पूरी यात्रा के भोजन की व्यवस्था कर सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। बढ़ा गांव का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से भी जुड़ा है। समीपवर्ती उझानी गांव में प्राचीन कालीदह स्थित है, जहां मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण गेंद निकालने के लिए कालियादह में कूदे थे। वहीं बढ़ा गांव में ग्वालबालों के आग्रह पर कन्हैया ने अपना शरीर विशाल कर लिया था, जिससे कालियानाग की नसें फटने लगीं और उसे भगवान श्रीकृष्ण को अपनी पकड़ से मुक्त करना पड़ा। इन दिव्य लीलास्थलों के दर्शन कर यात्रियों ने स्वयं को धन्य अनुभव किया।

ब्रजयात्रा में डॉ. रामजी लाल शास्त्री, नृसिंह दास महाराज, ब्रजशरण महाराज, महेश शास्त्री, गिरधर शास्त्री, राधाकांत शास्त्री, प्रेम प्रकाश, नीलमणि लाल बाबा, वंशीधर दास गौर, कीर्तन दास, रमाशंकर, ब्रजदास, संजय प्रधान, राजकुमार और गोपाल सखी बाबा सहित अनेक संत-महात्मा एवं प्रमुखजन शामिल रहे। बुधवार को यात्रा खेलनवन, ऐंचा, दाऊजी और रामघाट होते हुए अपने अगले पड़ाव विहार वन के लिए प्रस्थान करेगी।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

लंबित मांगों को लेकर आंदोलन शुरू

- पुरानी पेंशन बहाली और सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने की उठाई मांग, 5 नवंबर को मुख्यमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।



शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर के.ए. पीजी महाविद्यालय, कासगंज की शिक्षक संघ इकाई ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। फुपुक्टा के आह्वान और रम्पुटा, अलीगढ़ के निर्देश पर शिक्षकों ने सोमवार को काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। इसके साथ ही संगठन ने मांगें पूरी होने तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है।

शिक्षक संघ की प्रमुख मांगों में 14 आकस्मिक अवकाश की सुविधा, चिकित्सा अवकाश का प्रावधान, पुरानी पेंशन योजना की बहाली और शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष किए जाने के साथ अन्य लंबित मांगें शामिल हैं। शिक्षक संघ इकाई के सचिव डॉ. बृजेंद्र यादव ने बताया कि फुपुक्टा की 25 अक्टूबर को प्रयागराज में हुई कार्यकारिणी बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार दो से चार नवंबर तक प्रदेश के महाविद्यालयों में शिक्षक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन के अगले चरण में पांच नवंबर को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग की जाएगी।

इकाई अध्यक्ष डॉ. अंजना वशिष्ठ रावत ने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संगठन पूरी एकजुटता के साथ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करता रहेगा। इस दौरान डॉ. एपी गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. उमेश यादव, डॉ. अजीत यादव, डॉ. साबिस्ता अंजुम, डॉ. अनुपम पाठक, अंकित कौशल, डॉ. हर्ष मिश्रा, डॉ. कुशहर साहनी, लेफ्टिनेंट अभिषेक यादव, डॉ. पूनम रानी शर्मा, डॉ. कमलेश सिंह और डॉ. पवन दुबे सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

नाथ नगरी बरेली में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, आगरा से 150 कारों का काफिला पहुंचा



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बरेली।

नाथ नगरी बरेली में आयोजित ह्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्व पदयात्रा में आगरा से बड़ी संख्या में कार्यकताओं और समर्थकों ने सहभागिता की। विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में आगरा से करीब 150 कारों का काफिला बरेली पहुंचा। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग पदयात्रा में शामिल हुए और आयोजन का हिस्सा बने।

कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष पूरण सिंह लोधी भी मौजूद रहे। नाथ नगरी बरेली में निकाली गई इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली। पदयात्रा के माध्यम से लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने का संदेश दिया गया।

आगरा से पहुंचे कार्यकताओं में रामबाग मंडल अध्यक्ष मनीष अवस्थी भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। उनके साथ एसपी सिंह बघेल, सौरभ ठाकुर और जीतू ने भी पदयात्रा में सहभागिता की। सभी ने एक साथ पदयात्रा में हिस्सा लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में आगरा से पहुंचे करीब 150 कारों के काफिले और हजारों लोगों की भागीदारी ने कार्यक्रम में आगरा की मौजूदगी को खास बनाया। अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकताओं ने पदयात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाई।

बरेली में आयोजित इस पदयात्रा में आगरा के कार्यकताओं की भागीदारी ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जिलाधिकारी ने राजीव भवन के विभिन्न कार्यालयों एवं पटलों का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राजीव भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं पटलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 पूजा गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अधिकारी मोहित कुमार बघेल सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला निर्वाचन कार्यालय, उपायुक्त श्रम रोजगार, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, उपायुक्त मनरेगा आदि के कार्यालयों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राजीव भवन स्थित विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर कार्यालयों में संचालित कार्यों, अभिलेखों के रख-रखाव तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न पटलों पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके कार्यों की प्रगति एवं कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने कार्यालयों में साफ-सफाई, सुव्यवस्थित अभिलेख प्रबंधन तथा कार्यस्थल पर बेहतर व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यालयों में आने वाले फरियादियों एवं आमजन के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यालयों में कार्य संस्कृति को बेहतर बनाते हुए आमजन को सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रातः 10 से 12 बजे तक अपने अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर जनसुनाई सुनिश्चित करे, उक्त कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने राजीव भवन परिसर के कुछ हिस्सों में रंगाई पुताई कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजीव भवन परिसर में स्थित पार्क को हरा भरा तथा उसके चारों ओर रेलिंग लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुराना/ जीर्ण-शीर्ण फर्नीचर को निष्प्रयोज्य घोषित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजीव भवन के मुख्य द्वार पर स्थित प्रेरणा कैंटीन पर चाय पी। उक्त प्रेरणा कैंटीन स्वयं सहायता समूह की माताओं/ बहनों द्वारा संचालित की जा रही है। कैंटीन में स्वादिष्ट व्यंजन भी उपलब्ध है। उक्त प्रकार की प्रेरणा कैंटीन जनपद के सभी 10 ब्लॉकों में खुलवाई गई है, जो निरंतर संचालित है। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त प्रेरणा कैंटीन को मॉडल के रूप में लेते हुए अस्पतालों में भी खुलवाने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रेरणा कैंटीन में शुद्ध, स्वच्छत, पौष्टिक तथा घरेलू व्यंजन उपलब्ध है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कैंटीन में आप नास्ता एवं भोजन कर सकते है। उक्त कैंटीन स्वयं सहायता समूह की माताओं/ बहनों के लिए आय का श्रोत है, जिससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा।

केएम विवि में हुआ व्हाइट कोट सेरेमनी का आयोजन, मेडीकल छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे

कुलपति ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों से नशे जैसी आदतों से दूर रहने की दी सलाह

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

केएम विश्वविद्यालय के लेक्चर थिएटर तृतीय में मंगलवार को एमबीबीएस बैच 2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए व्हाइट कोट सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मेडिकल क्लास की पहली सीढ़ी पर कदम रखने वाले भावी चिकित्सकों को व्हाइट कोट पहनाकर सम्मानित किया गया, जिसे पाकर सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.सी. प्रजापति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर्स बनने का जो सपना आपने देखा था, उसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों के लिए अपने लक्ष्य को निर्धारित कर एकाग्रता के साथ कार्य करने वाले ही सफल चिकित्सक बनते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे जैसी आदतों से दूर रहने की भी सलाह दी।

प्रति कुलपति डॉ. शरद अग्रवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को चरक शपथ दिलाई तथा रोगियों के प्रति संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ चिकित्सा सेवा करने का संकल्प दिलाया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह ने अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया और विद्यार्थियों को अपनी प्रोफेशनल लाइफ की शुरूआत एक सुनियोजित दैनिक योजना (डेली प्लान) के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

मेडिकल कॉलेज की डायरेक्टर एवं प्रधानाचार्या डॉ. रेनू शेरावत ने कहा कि सफेद कोट केवल एक परिधान नहीं, बल्कि दया, संवेदना, मानवता और सेवा का प्रतीक है। इसे धारण करने के साथ ही चिकित्सकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। केएम अस्पताल के एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंट डॉ. नमित गौतम ने विद्यार्थियों से ईमानदारी, अनुशासन और करुणा को जीवन में सर्वोच्च स्थान देने का आह्वान किया।

केएम अस्पताल के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. गुप्ता ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सहपाठियों के साथ सकारात्मक प्रतिस्पर्धा करते हुए एक बेहतरीन डॉक्टर बना जा सकता है। एक चिकित्सक के लिए मरीज की संतुष्टि और उसकी मुस्कान ही सबसे बड़ा पुरस्कार है।

मंच का संचालन 2023 बैच की छात्रा मानसी और छात्र आदित्या ने संयुक्त रूप से किया, जबकि अंत में फामाकोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनीता जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डिप्टी रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, असिस्टेंट रजिस्ट्रार दीपक माथुर, डॉ. एम.के. तनेजा, डॉ. विकास सक्सेना, मेजर प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार, डॉ. तारिख वली, डॉ. सुनीता रानी, डॉ. प्रियंका चौहान, डॉ. नीतिका जाकर, डॉ. प्रतीक गनवीर, डॉ. रामनरेश यादव, डॉ. अभिनव, डॉ. अभिषेक और दीपक सहित तमाम चिकित्सा शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर निगम बोर्ड बैठक में छाए रहे पार्षद मुन्ना मलिक, विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर निगम को घेरा

मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृंदावन की बोर्ड बैठक में वार्ड-31 (भूतेश्वर क्षेत्र) के पार्षद मुन्ना मलिक ने जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठाया और प्रशासनिक सुस्ती पर तीखे सवाल किए। पार्षद ने बताया बैठक में राधिका धाम कॉलोनी स्थित पार्क का नाम महाराजा अग्रसेन पार्क करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। वार्ड-31 को गंगाजल न मिलने पर नाराजगी जताते हुए तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। आजाद मार्केट के जीर्णोद्धार, बलभद्र कुंड के सौंदर्यीकरण और वर्क ऑर्डर के बाद भी काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई गई। शहर में मीट बिक्री पर प्रतिबंध की मांग का विरोध करते हुए कहा गया कि रोजी-रोटी छीनने के बजाय वेंडिंग जोन बनाए जाएं और प्रतिबंध लगाना ही है तो पहले शराब पर लगाया जाए।

मुस्लिम परिवारों में कहासुनी के बाद छत से चले ईंट-पत्थर

बीच-बचाव करने आए दलित परिवार पर कसी जातिसूचक फब्तियां, पुलिस तैनात

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर नगर के मोहल्ला नवाब स्थित जाटवान गली में सोमवार शाम पटाखे जलाने को लेकर दो मुस्लिम परिवारों के बीच हुई कहासुनी ने देखते ही देखते तूल पकड़ लिया। विवाद के दौरान महिलाओं द्वारा इस्तेमाल किए गए आपत्तिजनक जातिसूचक शब्दों और बीच-बचाव करने आए दलित परिवार पर ईंट-पत्थर फेंके जाने से इलाके में सांप्रदायिक व सामाजिक तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी जगदीश चंद सहित भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। फिलहाल मौके पर पिकेट तैनात कर दी गई है ।



पटाखे जलाने को लेकर शुरू हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6:27 बजे वाल्मीकि जयंती समिति के अध्यक्ष रविकांत और स्थानीय निवासी आदर्श ने पुलिस व डायल 112 को घटना की सूचना दी। बताया जाता है कि गली में मुस्लिम समाज के बच्चे पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान अरशद पुत्र दिलशाद अली द्वारा अब्दुल सलाम के छोटे बेटे कैफ का नाम लेने को लेकर अरशद और दूसरे पक्ष के इस्लाम व कैफ के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से गाली-गलौज और मारपीट होने लगी।

जातिसूचक फब्तियों से भड़का वाल्मीकि समाज

विवाद के दौरान दोनों मुस्लिम परिवारों की महिलाओं की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक एवं जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। पास में ही रहने वाले वाल्मीकि समाज के लोग, जो मामले को शांत कराने और बीच-बचाव करने पहुंचे थे, इन शब्दों को सुनकर आक्रोशित हो गए।

- दो पक्षों के झगड़े में आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़का वाल्मीकि समाज, अपर पुलिस अधीक्षक समेत भारी पुलिस बल मौके पर संभाल रहा मोर्चा
- दिवाली पर पटाखे जलाने और नाम पुकारने को लेकर शुरू हुआ था विवाद, विकलाँग और उसके बेटे के साथ भी की गई बदसलूकी

विकलांग और उसके बेटे से अभद्रता, छत से चले पत्थर

आरोप है कि विवाद के दौरान अरशद, राशिद, आजाद और शमशाद पुत्रगण दिलशाद अली ने जातिसूचक टिप्पणी का विरोध करने पर पड़ोस के विकलांग दीपक (40) और उनके बेटे आदर्श (22) के साथ भी तीखी नोकझोंक व अभद्रता की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उत्तेजित होकर अरशद और उसके भाइयों ने अपने मकान की छत से ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे गली में भगदड़ मच गई।

भारी पुलिस बल तैनात, वैधानिक कार्रवाई जारी

घटना की भनक लगते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक तत्काल भारी पुलिस बल के साथ जाटवान गली पहुंचे और उपद्रव कर रहे लोगों को खदेड़ा। सदर क्षेत्राधिकारी आंचल चौहान ने बताया कि वर्तमान में मौके पर पूरी तरह शांति है और एहतियातन पुलिस पिकेट तैनात कर दी गई है। पीड़ित पक्ष की तहरीर और मौके की जांच के आधार पर सुसंगत धाराओं में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। किसी भी सूरत में शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गुमशुदा युवक का बाग के पेड़ पर लटका मिला शव

प्रेम प्रसंग से जुड़ रहे तार, मारहरा से कासगंज तक मचा हड़कंप

टीएनएफ टुडे, कासगंज।



मंगलवार की सुबह कासगंज कोतवाली क्षेत्र में जनपद एटा के मारहरा थाना क्षेत्र से दो दिन से लापता चल रहे 20 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कासगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक बाग में पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की गुमशुदगी पहले ही मारहरा थाने में दर्ज थी और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। शुरूआती जांच में मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है।

लोकेशन ट्रेस करते हुए बाग तक पहुंची पुलिस

पिता ने बताया सोमवार को मारहरा थाने में मोहल्ला बस्ती निवासी रोहित पुत्र महाराज सिंह की उम्र 20 वर्ष गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। मंगलवार सुबह करीब 10:44 बजे मोबाइल नंबर गांव के एक व्यक्ति से कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि सोरव ढाबा और मिरहची के बीच मुख्य मार्ग से करीब 100 मीटर अंदर विजय सिंह निवासी बढ़ारी वैश्य थाना क्षेत्र कासगंज के बाग में एक अज्ञात शव पेड़ से लटका हुआ है।

सूचना मिलते ही कासगंज कोतवाली पुलिस, क्षेत्राधिकारी आंचल चौहान फॉरेंसिक टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची। शिनाख्त कराने पर मृतक की पहचान लापता युवक रोहित के रूप में हुई। उसका शव बाग के एक पेड़ पर करीब 20 फीट की ऊंचाई पर फंदे से लटकता मिला।

प्रेम-प्रसंग की चर्चा, पुलिस कर रही गहन तफ्तीश

प्रारंभिक छानबीन में यह बात सामने आई है कि मारहरा पुलिस युवक की मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसकी तलाश करते हुए इस बाग तक पहुंची थी। चर्चा है कि मृतक का अपनी ही गली की एक युवती के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसके चलते यह कदम उठाए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस हर पहलू से मामले की गहराई से जांच कर रही है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

शव काफी ऊंचाई पर होने के कारण पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से फंदे को नीचे उतारा। मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर, मारहरा थाना पुलिस और फील्ड यूनिट ने पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।



रेलवे स्टेशन पर झगड़कर हंगामा कर रहे दो युवक गिरफ्तार

कासगंज। रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में टिकट घर के पास आपस में झगड़कर हंगामा करना दो युवकों को भारी पड़ गया। जीआरपी ने दोनों को शांति भंग करने और रेल यात्रियों को असुविधा पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष कोमल कुंतल ने बताया कि सोमवार शाम करीब 7:05 बजे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में टिकट घर के पास दो युवक आपस में विवाद कर रहे थे। देखते ही देखते दोनों गुत्थमगुत्था होने लगी और हंगामा करने लगे। इससे वहां मौजूद रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने गिरफ्तार युवकों की पहचान सनी निवासी मोहल्ला पीरजादा कस्बा बिलराम थाना ढोलना और सुमित निवासी मोहल्ला कस्साबान के रूप में की गई। विवाद के दौरान मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। जीआरपी थानाध्यक्ष कोमल कुंतल ने बताया कि स्टेशन पर विवाद कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों के समझाने पर आरोपी उनसे भी झगड़ने लगे। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और चिकित्सीय परीक्षण के बाद दोनों आरोपियों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाएगा।

छोटी बहन से हुआ मामूली विवाद, गुस्से में आकर 17 वर्षीय किशोरी ने खाया विषाक्त पदार्थ, जिला अस्पताल में भर्ती



कासगंज। थाना क्षेत्र के गांव कुरामई में सोमवार दोपहर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। छोटी बहन के साथ हुई कहासुनी से उपजे गुस्से और आवेश में आकर 17 वर्षीय किशोरी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में किशोरी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव कुरामई निवासी शिव सिंह की 17 वर्षीय पुत्री सोनू का सोमवार की दोपहर करीब 3 बजे किसी बात को लेकर अपनी छोटी बहन गुड़िया से मामूली विवाद हो गया था। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। परिजनों के मुताबिक, इस छोटी सी नोकझोंक से आवेश में आकर सोनू ने गुस्से में घर में रखा कोई विषाक्त पदार्थ गटक लिया। जहर के शरीर में पहुंचते ही उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी और वह अछूत सी होकर गिर पड़ी। अचानक घटी इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने तुरंत बिना वक्त गंवाए किशोरी को जिला अस्पताल पहुंचाया। आपातकालीन वार्ड में मौजूद चिकित्सकों ने फौरन उसका उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार, किशोरी का इलाज जारी है और उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद से परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खेत पर काम करते समय किसान को सांप ने डंसा, जिला अस्पताल में चल रहा इलाज



ढोलना। मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव तावलपुर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। खेत पर चारा बांध रहे एक 44 वर्षीय किसान को जहरीले सांप ने हाथ में डंस लिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। आनन-फानन में घायल किसान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। पीड़ित ने बताया तावलपुर निवासी जिया लाल पुत्र सोनपाल मंगलवार की सुबह करीब 7 बजे अपने खेत पर रोजमर्रा के कार्यों में जुटे थे। वह खेत पर चारा बांध रहे थे, तभी वहां छिपे एक जहरीले सांप ने अचानक उनके हाथ में डंस लिया। सांप के काटने से जिया लाल की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन तुरंत मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों ने बिना देर किए उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया।

नदरई रेलवे अंडरपास के ऊपर पटरी किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव



कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र में नदरई रेलवे अंडरपास के ऊपर रेलवे पटरी किनारे मंगलवार शाम एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। प्रथम कृष्टया पुलिस व्यक्ति की मौत ट्रेन से गिरने के कारण होना मान रही है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम सूचना मिली कि नदरई अंडरपास के ऊपर रेलवे पटरी किनारे एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। जानकारी मिलते ही शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशचंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव की शिनाख्त कराने के प्रयास शुरू किए। कोतवाली प्रभारी जगदीशचंद्र ने बताया कि मृतक के सिर पर चोट के निशान हैं। उसके दोनों हाथ-पैर टूटे हुए प्रतीत हो रहे हैं। शरीर पर जगह-जगह घिसटने के निशान भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में ट्रेन से गिरकर मौत होने की आशंका है। मृतक की पहचान के लिए सोशल नेटवर्किंग माध्यमों का सहारा लिया जा रहा है। शिनाख्त होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मिल

गंजडुंडवारा में ब्लॉक स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित, बच्चों ने दिखाया दमखम

मोनिका धनसिंहपुर और खुशबू बहादुरनगर बनीं ब्लॉक चैंपियन, विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

गंजडुंडवारा विकासखंड की ब्लॉक स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन यूबीएच एकेडमी गंजडुंडवारा में किया गया। प्रतियोगिता में परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राथमिक बालिका वर्ग में मोनिका धनसिंहपुर और जूनियर बालिका वर्ग में खुशबू बहादुरनगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार अहिरवार, जिला समन्वयक सुनील यादव और जिला व्यायाम शिक्षक राजेंद्र सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मां शारदे की वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों ने ध्वजारोहण करने के बाद हरी झंडी दिखाकर प्राथमिक बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में 50 मीटर प्राथमिक बालक वर्ग में गौरव नागर कंचनपुर प्रथम, मयंक बहोटा द्वितीय और अतुल नगला लच्छी तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में गौरव नागर कंचनपुर ने प्रथम, योगेश धवा ने द्वितीय और रवि बहोटा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में नितिन नगला लच्छी प्रथम, सुमित धनसिंहपुर द्वितीय और आशीष वमनपुरा तृतीय रहे। प्राथमिक बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में सृष्टि बहादुरनगर प्रथम, मोनिका धनसिंहपुर द्वितीय और अर्चना अल्हेपुर तृतीय रहीं। 100 और 200 मीटर दौड़ में मोनिका धनसिंहपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों स्पधाओं में सृष्टि बहादुरनगर द्वितीय रहीं। कबड्डी प्राथमिक बालक वर्ग में नागर कंचनपुर की टीम विजेता और बहोटा की टीम उपविजेता रही। प्राथमिक बालिका वर्ग में धनसिंहपुर



की टीम ने बाजी मारी। जूनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में प्रेमचंद्र बहादुरनगर प्रथम, प्रशांत बमनपुरा द्वितीय और शिवकुमार सुनगढ़ी तृतीय रहे। 200 मीटर दौड़ में प्रशांत बमनपुरा प्रथम, प्रेमचंद्र बहादुरनगर द्वितीय और शिवकुमार सुनगढ़ी तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में प्रशांत बहादुरनगर प्रथम, प्रशांत बमनपुरा द्वितीय और रोहित सिद्धनगर तृतीय रहे।

जूनियर बालिका वर्ग में खुशबू बहादुरनगर ने 100, 200 और 400 मीटर तीनों दौड़ प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 100 मीटर में राखी नागर कंचनपुर द्वितीय और जेवा पचपोखरा तृतीय रहीं। 200 मीटर में राखी नागर कंचनपुर द्वितीय और अंजलि बमनपुरा तृतीय रहीं। 400 मीटर में अंजलि बमनपुरा द्वितीय और रुखसार नागर कंचनपुर तृतीय स्थान पर रहीं।

कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में बमनपुरा की टीम विजेता और अल्हेपुर की टीम उपविजेता रही। जूनियर बालिका वर्ग में अल्हेपुर की टीम ने जीत हासिल की। खो-खो जूनियर बालक वर्ग में अल्हेपुर विजेता और नागर कंचनपुर उपविजेता रहा। प्राथमिक बालिका वर्ग में अल्हेपुर की टीम विजेता और बमनपुरा की टीम उपविजेता रही। लंबी कूद जूनियर बालक वर्ग में वासुदेव रसूलपुर अरोरा प्रथम, प्रशांत बमनपुरा द्वितीय और प्रेमचंद्र बहादुरनगर तृतीय स्थान पर रहे। समापन अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एवं जिला व्यायाम शिक्षक सहित अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में ब्लॉक पीटीआई मुनेश राजपूत, पुष्पेंद्र कुमार, नीलेश प्रताप चौहान, दीनदयाल सिंह, अजय यादव, यादराम सिंह, देवेंद्र कुमार, भारतेंदु कुमार, सोमेंद्र कुमार और फुरकान अली शामिल रहे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंजडुंडवारा के अध्यक्ष अलीम रजा सहित राकेश राजपूत, पवनेश कुमार, संजय यादव, इरफान हुसैन, प्रशांत गौतम, नदीम अख्तर, राहुल सिंघल, चंद्रशेखर, फहीम अख्तर, दुशासन, महेश सिंह, कृष्णवीर सिंह, विष्णु तिवारी, पंकज सिंह, मजहर खान, अनीस सैफी, सफदर अली खान, राजेश कुमार, हरिओम पांडेय, राहुल माहेश्वरी, अर्पित गुप्ता, मेहरुद्दीन, ललित पंकज, सुरेश चंद, अजीत प्रताप, राम प्रताप, सतीश चंद्र, कुलदीप कुमार, प्रमोद कुमार, विनय कुमार, गौरव बाबू, मुकेश कुमार, विकास गौतम, मुनव्वर हुसैन और यशपाल सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कासगंज में यातायात पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन: तीसरे दिन 517 वाहन चालकों के कटे चालान, 11.85 लाख रू. का जुर्माना

टीएनएफ टुडे, कासगंज।



- सोरों के प्रमुख तिराहों पर चला सघन चेकिंग अभियान, मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर भी कसा शिकंजा
- इंटरसेप्टर वाहन की मदद से पकड़े गए 163 ओवरस्पीड वाहन, संत तुलसीदास इंटर कॉलेज में छात्रों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ

जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के लिए चल रहे 'यातायात माह नवंबर 2026' के तीसरे दिन यातायात पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार (03 नवंबर 2026) को कस्बा सोरों के प्रमुख वराह भगवान तिराहे और सहावर तिराहे पर चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले 517 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल (एमबी) एक्ट के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने इन चालकों पर कुल ?11,85,500 (ग्यारह लाख पचासी हजार पाँच सौ रुपये) का ऑनलाइन शमन शुल्क (चालान) अधिरोपित किया है।

ओवरस्पीड और फॉल्टी नंबर प्लेट पर विशेष शिकंजा

यातायात पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान विभिन्न गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की गईः

ओवरस्पीडः दोपहिया इंटरसेप्टर वाहन की मदद से निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार (ओवरस्पीड) से दौड़ रहे 163 वाहन चालकों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई।

साइलेंसर व हॉर्नः नियमों के विपरीत वाहन चलाने वाले 10 वाहनों पर प्रेशर हॉर्न तथा 02 दोपहिया वाहनों पर मॉडिफाइड साइलेंसर की कार्रवाई करते हुए 01 मोटरसाइकिल को सीज किया गया।

प्रदूषण व अन्यः प्रदूषण प्रमाणपत्र (पॉल्यूशन) नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का प्रयोग, क्षमता से अधिक सवारियां, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, और कमर्शियल वाहनों में सवारियां ढोने वालों के खिलाफ भी ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई।

छात्रों को दी गई यातायात सुरक्षा की सीख

महज चालान काटने तक सीमित न रहते हुए, यातायात पुलिस ने जन-जागरूकता पर भी पूरा जोर दिया। इसी क्रम में संत तुलसीदास इंटर कॉलेज, सोरों में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाने और कभी भी नशे की हालत में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई गई। साथ ही, उपस्थित लोगों के बीच जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए।

यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनपद में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के प्रवर्तन और जागरूकता अभियान पूरे माह लगातार जारी रहेंगे।

बालकोनी में खड़ा युवक विद्युत करंट की चपेट में आकर झुलसा



टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर कोतवाली क्षेत्र के बांकनेर फार्म गांव में मंगलवार शाम विद्युत करंट की चपेट में आने से एक 20 वर्षीय युवक झुलस गया। हादसे की जानकारी मिलते ही शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशचंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम करीब पांच बजे सूचना मिली कि बांकनेर फार्म गांव में एक युवक बिजली के करंट से झुलस गया है। सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशचंद्र पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे।

जानकारी करने पर पता चला कि पंकज (20) पुत्र चंद्रपाल निवासी बांकनेर फार्म डायमंड सिटी गेट के निकट स्थित अपने मकान की बालकोनी में खड़ा था। इसी दौरान घर के पास से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से उसे तेज करंट लग गया। करंट लगते ही वह बालकोनी में ही गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद करते हुए घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है।

नमामि गंगे जैविक खेती योजना की मुख्य विकास अधिकारी ने की समीक्षा

लंबित भुगतानों का शीघ्र निस्तारण करने के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन में यूपी डास्प द्वारा संचालित नमामि गंगे जैविक खेती योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सपोर्ट एजेंसी एवं प्रमाणीकरण संस्था द्वारा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान किसानों को दी जा रही सेवाओं, जैविक खेती से संबंधित गतिविधियों, कृषक समूहों के कार्यों तथा योजना के निर्धारित दायित्वों के निर्वहन की स्थिति पर चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान किसानों एवं कार्यदायी संस्थाओं के लंबित भुगतानों का विषय प्रमुखता से उठाया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं को निर्देश दिए कि लंबित भुगतानों का नियमानुसार परीक्षण कराते हुए शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की



- किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

असुविधा न हो और योजना का क्रियान्वयन सुचारु रूप से किया जा सके। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, संबंधित संस्थाओं के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा लंबित कार्यों एवं भुगतानों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक यूपी डास्प डॉ आदित्य कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उप कृषि निदेशक, सहायक कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, सपोर्ट एजेंसी के स्टेट मैनेजर दीपक चतुर्वेदी एवं प्रोजेक्ट मैनेजर तथा प्रमाणीकरण संस्था के जिला प्रभारी हेम सिंह, सहायक प्रबन्धक सिस्टम यू0पी0 डास्प वीरेंद्र गौतम सहित समिति के अन्य संबंधित सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे।



कब्ज का अचूक इलाज हैं यह घरेलू उपाय

अनियमित दिनचर्या और खान-पान के कारण कब्ज की समस्या होना आम बात है। भोजन के बाद बैठे रहने और रात के खाने के बाद सीधे सो जाने जैसी आदतें कब्ज के लिए जिम्मेदार होती हैं। अगर आपको भी होती है यह समस्या, तो हम बता रहे हैं, इससे निपटने के घरेलू उपाय

- सुबह उठने के बाद पानी में नींबू का रस और काला नमक मिलाकर पिएं। इससे पेट अच्छी तरह साफ होगा, और कब्ज की समस्या नहीं होगी।
- कब्ज के लिए शहद बहुत फायदेमंद है। रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद को एक गिलास पानी के साथ मिलाकर पिएं। इसके नियमित सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। सुबह उठकर प्रतिदिन खाली पेट, 4 से 5 काजू, उतने ही मुनक्का के साथ मिलाकर खाने से भी, कब्ज की शिकायत समाप्त हो जाती है। इसके अलावा रात को सोने से पहले 6 से 7 मुनक्का खाने से भी कब्ज ठीक हो जाता है।
- प्रतिदिन रात में हरड़ के चूर्ण या त्रिफला को कुनकुने पानी के साथ पिएं। इससे कब्ज दूर हेगा, साथ ही पेट में गैस बनने की समस्या से भी निजात मिलेगी।
- कब्ज के लिए आप सोते समय अरंडी के तेल को हल्के गर्म दूध में मिलाकर पी सकते हैं। इससे पेट साफ होता है, और कब्ज की समस्या नहीं होती।
- ईसबगोल की भूसी कब्ज के लिए रामबाण इलाज है। आप इसका प्रयोग दूध या पानी के साथ, रात को सोते वक्त कर सकते हैं। इससे कब्ज की समस्या बिल्कुल समाप्त हो जाएगी।
- फलों में अमरूद और पपीता, कब्ज के लि बेहद फायदेमंद होते हैं। इनका सेवन किसी भी समय किया जा सकता है। इन्हें खाने से पेट की समस्याएं तो समाप्त होती ही हैं, त्वचा भी खूबसूरत बनती है।
- किशमिश को कुछ देर तक पानी में गलाने के बाद, इसका सेवन करने से कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है। इसके अलावा अंजीर को भी रातभर पानी में गलाने के बाद उसका सेवन करने से कब्ज की समस्या खत्म होती है।
- पालक भी कब्ज के मरीजों के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रतिदिन पालक के रस को दिनचर्या में शामिल कर, आप कब्ज से आजाादी पा सकते हैं, साथ ही इसकी सब्जी भी सेहत के लिए अच्छी होती है। लेकिन अगर आप पथरी के मरीज हैं, तो इसका इस्तेमाल न करें।
- कब्ज से बचने के लिए नियमित रूप से व्यायाम और योगा करना बेहद फायदेमंद होता है। इसके अलावा हमेशा गरिष्ठ भोजन करने से बचना चाहिए।
- इसके अलावा कब्ज की परेशानी अत्यधिक होने पर आप डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।



सामान्य घुटनों का दर्द, कहीं वह अर्थराइटिस की शुरुआत तो नहीं?

कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद कई लोगों की इम्यूनिटी पर भी इसका असर पड़ा है। कई लोगों को जोड़ों के दर्द की दिक्कत भी हो रही है। कई बार लोग जोड़ों के दर्द को बढ़ती उम्र का असर समझ लेते हैं लेकिन असल में वे अर्थराइटिस की बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

अर्थराइटिस या गठिया की बीमारी को लेकर अक्सर लोगों में अवेयरनेस की कमी होती है। अर्थराइटिस में जॉइंट पेन या जोड़ों में बहुत अधिक दर्द और सूजन महसूस होती है। यह दर्द इतना तेज होता है कि लोगों के लिए इसे सह पाना मुश्किल हो जाता है। अर्थराइटिस की बीमारी जॉइंट्स को प्रभावित करती है और इसमें, शरीर की हड्डियों के जोड़ वाले स्थानों पर सूजनऔर दर्द होने लगता है। इसमें. कोहनी और घुटनों के अलावा उंगलियों और कलाइयों में भी दर्द महसूस होता है।

अर्थराइटिस के मरीजों को क्या नहीं खाना चाहिए?

फास्ट फूड

फास्ट फूड, अनाज और बेक्ड फूड जैसे प्रोसेस्ड आइटम में रिफाइंड अनाज, एडेड शुगर, प्रिजर्वेटिव्स और ऐसी चीजें पाई जाती हैं, जो शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करता है।

अल्कोहल

शराब को सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। अर्थराइटिस की बीमारी में शराब और भी खतरनाक है, इससे घुटनों में दर्द की प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

मीट/चिकन/फिश

ज्यादा ओमेगा 6 फैट और कम ओमेगा-3 फैट वाली डाइट ओस्टियोआर्थराइटिस और रयूमेटाइड आर्थराइटिस को और बढ़ाने का काम करते हैं।

नमक

गठिया वाले लोगों के लिए नमक कम खाना चाहिए। झींगा, डिब्बाबंद सूप, पिज्जा, चीज, प्रोसेस्ड मीट और कई अन्य प्रोसेस्ड फूड में नमक बहुत ज्यादा पाया जाता है।

एजीई

एजीई का मतलब है एडवांस ग्लाइसेशन एंड प्रॉडक्ट। ये आमतौर पर अधपके मीट में पाए जाते हैं और कई बार उन्हें पकाने के दौरान बनते हैं। हाई प्रोटीन, मेयोनेज, हाई फैट एनिमल फूड, जिन्हें फ्राई, रोस्ट, ग्रिल या उबाल कर खाया जाता है, एजीई का सबसे बड़ा डाइटरी सोर्स होता है।



शरीर को डिटॉक्सीफाई करती है चुकंदर

इस मौसम में लोगों के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है और बीमारियों के हमले की आशंका बढ़ती है। ऐसे में चुकंदर का सेवन कई तरह से सुरक्षा कवच साबित होता है।

बदलते मौसम में इम्युनिटी को बूस्ट करना बेहद जरूरी होता है। आहार विशेषज्ञ दैनिक आहार में ज्यादा से ज्यादा एंटी ऑक्सिडेंट और पौष्टिक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह देते हैं। उनमें से एक है- गहरे लाल बैंगनी रंग का चुकंदर। यह यूं तो साल भर मिलता है, लेकिन सर्दियों में इसे बेहद चाव से खाया जाता है। चुकंदर में कई ऐसे पौष्टिक तत्व मौजूद हैं, जो इसे सुपरफूड का दर्जा देते हैं। चुकंदर में कैलोरी बहुत कम होती है, लेकिन विटामिन, मिनरल्स जैसे पौष्टिक तत्वों और कई एंटी ऑक्सिडेंट गुणों की प्रचुरता होती है, जो इसे औषधीय गुणों में लबरेज बनाती है। एक चुकंदर का नियमित सेवन व्यक्ति को इस मौसम में निरोगी रखने में मदद तो करता ही है, त्वचा को भी निखारता है।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

चुकंदर में मौजूद एंटी ऑक्सिडेंट तत्व शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। बेटानिन एंटी ऑक्सिडेंट नामक पिगमेंट या रंग होता है, जो एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों को बढ़ाता है। इससे सर्दी-खांसी, श्वसन तंत्र संबंधी बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

सांस की तकलीफ में सहायक

इस मौसम में एलर्जिक लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है। एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर चुकंदर के नियमित सेवन से उनके शरीर में ऑक्सीकरण की प्रक्रिया सुचारु रूप से चलने लगती है।

पाचन प्रक्रिया को करे दुरुस्त

चुकंदर में मौजूद बेटेन तत्व आंतों को साफ करता है और पेट से जुड़ी बीमारियों से बचाता है। एक कप चुकंदर में करीब साढ़े तीन ग्राम फाइबर होता है, जो अपच, कब्ज या इरिटेबल बाउर्ल सिंड्रोम, इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। सुबह नाश्ते से पहले एक गिलास चुकंदर के जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर पीना चाहिए।

चुकंदर का जूस उल्टी, दस्त, पाचन संबंधी गड़बड़ी, जॉण्डिस और हेपेटाइटिस जैसी बीमारी में काफी सहायक होता है। चुकंदर के जूस में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर तरल भोजन के रूप में लेने से लाभ होता है।

करे शरीर को डिटॉक्सीफाई

चुकंदर में सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, क्लोरीन और आयोडीन जैसे तत्व पाए जाते हैं। पोटैशियम शरीर को पोषण प्रदान करने में मदद करता है। क्लोरीन लिवर, किडनी और गॉल ब्लैडर से विषैले और एलर्जन तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। चुकंदर के रस में गाजर और खीरे के जूस को मिलाकर पीना अधिक फायदेमंद साबित होता है।

रखे दिल का ख्याल

इस मौसम में तापमान कम होने से हार्ट आर्टरीज ब्लॉक हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन, ब्लड और पोषक तत्वों की सप्लाई में रुकावट आती है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ जाता है और हार्ट अटैक का खतरा रहता है। चुकंदर के जूस में अकार्बनिक कैल्शियम, फोलेट और नाइट्रेट रसायन होता है, जो रक्त में नाइट्रिक ऑक्साइड गैस बनाता है। यह रसायन ब्लड आर्टरीज पर पड़ने वाले दबाव को कम कर ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।

एनीमिया में हो सुधार

चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून मे हीमोग्लोबिन बढ़ाने और खून साफ करने का काम भी करते हैं। आयरन की अधिकता के कारण यह लाल रक्त कोशिकाओं को सक्रिय और उनकी पुनर्रचना करता है। इसका जूस पीने से एनीमिया के रोगी को काफी आराम मिलता है और उसके शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है। यानी हीमोग्लोबिन बेहतर होता है।

त्वचा संबंधी रोगों में कारगर

चुकंदर के नियमित सेवन से त्वचा चमकदार, चिकनी और गुलाबी बनी रहती है। वर्तमान मौसम में एलर्जी की वजह से त्वचा संवेदनशील हो जाती है, जिससे उन पर चकते, खुजली, जलन, एग्जिमा जैसी समस्याओं की आशंका रहती है, लेकिन चुकंदर के सेवन से उसकी आशंका काफी कम हो जाती है। इसके पत्ते को मेहंदी के साथ पीसकर सिर पर लगाने से बालों का झड़ना रुकता है। बालों में रूसी होने पर चुकंदर के काढ़े में थोड़ा-सा सिरका मिलाकर लगाना फायदेमंद होता है।

वजन कम करने में सहायक

सर्दियों में पाचन तंत्र में सुधार होने की वजह से लोग अधिक खाते हैं। इससे कई लोग मोटापे के भी शिकार हो जाते हैं। ऐसे में चुकंदर को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद है। इसमें कैलोरी कम होती है, फाइबर, विटामिन, मिनरल, पानी जैसे तत्व अधिक होते हैं। ये तत्व फैट के दुष्प्रभाव से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इससे देर तक भूख नहीं लगती और पेट भरे होने का एहसास होता है। इससे व्यक्ति अनावश्यक भोजन से बचता और वजन बढ़ने की आशंका कम होती है।



सर्दी में लौंग की चाय पीने के फायदे

अदरक और इलायची की चाय बहुत ही पॉप्युलर है। सर्दियों में ज्यादातर लोग अदरक वाली चाय पीना पसंद है। वहीं, गर्मी के मौसम में इलायची वाली चाय खूब पी जाती है। आप अगर चाय के फैन है, तो आपको ठंड के मौसम में लौंग की चाय भी ट्राई करनी चाहिए। यह चाय स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

लौंग के पोषक तत्व

लौंग में प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट्स, कैल्शियम, सोडियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक और कॉपर जैसे तत्वों से भरपूर होती है।

कैसे बनाएं

सबसे पहले लौंग को पीसकर पाउडर बना लें। एक पैन में एक गिलास पानी डालें और साथ ही लौंग का पाउडर भी डाल दे। पानी में उबाल आने तक रूकें। लगभग 3 से 5 मिनट बाद गैस को बंद कर दें और चाय को छान लें। चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें चीनी या गुड़ की जगह शहद भी डाल सकते हैं।

फायदे

- लौंग में मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है। साथ ही इसमें कैल्शियम भी होता है, इसलिए इसकी चाय पीने से दांतों में दर्द की समस्या नहीं होती।
- लौंग की चाय पीने से मुंह की बदबू दूर होती है। साथ ही अगर आपके मसूड़ों से खून आता है, तो आपको रोजाना एक कप लौंग की चाय पीनी चाहिए।
- लौंग की चाय पीने से आपको पेट की समस्या भी नहीं होती, अगर आपको लूज मोशन की दिक्कत है, तो भी आप अदरक की जगह लौंग की चाय पिएं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अनार के छिलकों की चाय

भारतीय घरों में हर सुबह लोग चाय पीना पसंद करते हैं। आमतौर पर चायपत्ती की मदद से बनने वाली चाय में कैफीन होता है और इसका आवश्यकता से अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर चायपत्ती की जगह अनार के छिलकों की मदद से चाय बनाई जाए तो यह बेहद ही स्वास्थ्यवर्धक होती है। इससे आपकी सेहत को कई बेहतरीन लाभ प्राप्त होते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि आज के व्यस्त लाइफस्टाइल में लोग अपने खानपान से लेकर एक्सरसाइज आदि पर फोकस नहीं करते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल, वसा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती है। जिसके कारण बॉडी को डिटॉक्सिफाई करना बेहद जरूरी हो जाता है। इसके लिए आप अनार के छिलकों से बनी चाय का सेवन करें। अनार की चाय जो एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरी होती है, आपके शरीर में जमा सभी टॉक्सिन्स को बाहर निकाल देती है, जिससे आप अधिक हेल्दी बनते हैं।

बेहतर पाचन तंत्र

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, अनार के छिलके वाली चाय पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभकारी है। यह जठरांत्र संबंधी मार्ग में रोगजनक कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए आवश्यक है, जिससे पाचन तंत्र के स्वस्थ कामकाज को बढ़ावा मिलता है। अनार की चाय पीने से कोलाइटिस, डायरिया, पित्त, साल्मोनेला और अल्सर का इलाज करने में मदद मिलती है।

गले की खराश से राहत

अगर आप बदलते मौसम में गले की खराश के कारण परेशान हैं तो ऐसे में आप अनार के छिलके की चाय बनाकर पी सकते हैं या फिर अनार के छिलकों को नमक और गर्म पानी में मिलाकर गरारे करें। ऐसा करने से गले की खराश से तुरंत राहत मिलती है।

गुड डेंटल हाइजीन

नमक के साथ गर्म अनार के छिलके वाली चाय को दांतों के दर्द से पीड़ित लोगों को गार्गल करना चाहिए। इससे उन्हें तुरंत राहत महसूस होती है। इतना ही नहीं, इससे आपको बैड ब्रेथ और मुंह की दुर्गंध से निपटने में भी मदद मिलती है।



दुनियाभर के विकसित देशों में अल्जाइमर के मरीजों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में दुनियाभर के वैज्ञानिक इस बीमारी का इलाज खोजने में लगे हैं। इसी बीच साउथ कोरिया के ग्वांगजू इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जीआईएसटी) के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए एक शोध में अल्जाइमर के इलाज की नई उम्मीद जगी है। यह अध्ययन ट्रांसलेशन न्यूरोडिजेनरेशन में प्रकाशित हुआ है।



अल्जाइमर के इलाज में मददगार हो सकती है गामा एंट्रेनमेंट तकनीक

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह दर्शाने में कामयाब हुए हैं कि अल्जाइमर से निपटने के लिए अल्ट्रासाउंड आधारित गामा एंट्रेनमेंट मददगार हो सकता है। इस तकनीक में किसी व्यक्ति के ब्रेन वेव्स को 30 हर्ट्ज से ज्यादा किया जाता है, जिसे गामा वेव्स कहते हैं। ये काम बाहरी दोलन आवृत्ति से समेकित किया जा सकता है। यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से किसी कारक को दोहराए जाने वाले उद्दीपन जैसे साउंड, लाइट या यांत्रिक कंपन के जरिए की जा सकती है।

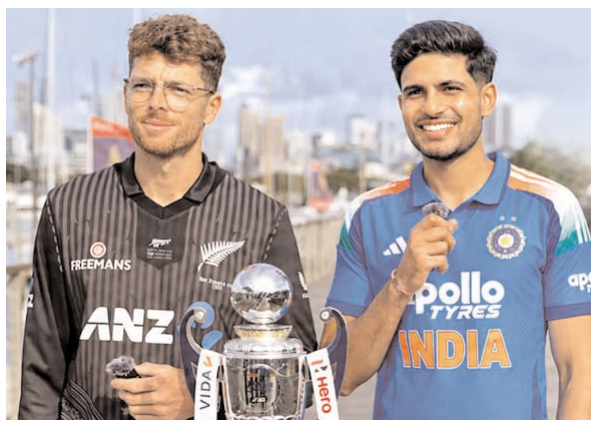
शोधकर्ताओं द्वारा चूहों पर किए गए अध्ययन में पाया गया है कि गामा एंट्रेनमेंट बी-एमिलाइड की परत जमने और टाउ प्रोटीन को जमा होने से रोकने में कारगर साबित होता है। ये दोनों ही अल्जाइमर के प्रतीक माने जाते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि अल्ट्रासाउंड के 40 हर्ट्ज की मदद से गामा एंट्रेनमेंट को महसूस किया जा सकता है। इस विधि की खासियत उसके इस्तेमाल का तरीका है। जीआईएसटी में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर और अध्ययन के सह लेखक जेई ग्वान किम का कहना है कि अन्य गामा एंट्रेनमेंट तरीकों (जो साउंड या टिमटिमाती प्रकाश पर निर्भर करते हैं) की तुलना में अल्ट्रासाउंड बिना किसी जख्म और संवेदी तंत्र को नुकसान पहुंचाए ही दिमाग में प्रवेश कर सकता है। इसके लिए अल्ट्रासाउंड आधारित यह तरीका ज्यादा सुविधाजनक है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान पाया कि चूहे को दो सप्ताह तक रोजाना दो घंटे अल्ट्रासाउंड पल्स के सामने रखने से दिमाग में बी-एमिलाइड की परत और टाउ प्रोटीन की मात्रा में कमी आई। इसके अलावा इलेक्ट्रोइन्फैलोग्राफिक विश्लेषण में यह भी पाया गया कि उन चूहों के दिमाग के कामकाज में सुधार हुआ। इसका मतलब यह है कि तंत्रिकाओं की कनेक्टिविटी को भी फायदा हुआ। इतना ही नहीं, इस प्रक्रिया में किसी प्रकार माइक्रोब्लीडिंग (ब्रेन हेमरेज) भी नहीं हुआ।

अल्जाइमर के इलाज के लिए नया रास्ता खुला

जेई ग्वान किम का कहना है कि हमारे अध्ययन से अल्जाइमर के इलाज के लिए नया रास्ता खुल सकता है। इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं है। साथ ही अल्जाइमर से जुड़ी अन्य स्थितियों से भी बचाव हो सकता है। उन्होंने बताया कि हमारे इस एप्रोच से जहां बीमारी के बढ़ने की गति को कम करके मरीज के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है। वहीं, पार्किंसंस जैसी तंत्रिकाओं के क्षय वाली अन्य बीमारियों का भी इलाज किया जा सकता है।

वनडे सीरीज: भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला ओडीआई मैच आज



एजेंसी, ऑकलैंड।

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड दौरे की शुरूआत सकारात्मक अंदाज में की है और टी20 सीरीज अपने नाम की। अब दोनों देशों के बीच बुधवार से पांच मैचों की वनडे सीरीज होनी है। इस सीरीज से भारत और न्यूजीलैंड अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों को परखेगी। इसके साथ ही नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहेंगी जिनके करियर का यह संभवतः आखिरी न्यूजीलैंड दौरा हो सकता है।

बल्लेबाजी क्रम कैसा होगा?

वनडे में भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाज लगभग तय हैं। रोहित और कप्तान शुभमन गिल पारी की शुरूआत करेंगे। उनके बाद कोहली और उपकप्तान श्रेयस अय्यर का नंबर आता है। ऐसी संभावना जताई गई थी कि लगातार मैच खेलने के कारण श्रेयस को पहले मैच से आराम देकर ऋतुराज गायकवाड़ को खेलने भेजा जा सकता है। लेकिन फिलहाल ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी (जो केवल पहले वनडे के लिए उपलब्ध हैं) को छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। हर्षित राणा के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम प्रबंधन आठवें नंबर पर अंशुल कंबोज को आजमा सकता है जो आक्रामक बल्लेबाजी करने में भी सक्षम हैं। अंशुल और नीतीश में से हालांकि किसी एक को

क्या है भारत की चिंता का विषय

भारत के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण के कारण न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। वनडे सीरीज के बाद होने वाली टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखकर जसप्रीत बुमराह को विश्राम दिया गया है, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। ऐसे में अनुभवी मोहम्मद सिराज को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी होगी। सिराज के अलावा भारतीय टीम में शामिल अन्य चार विशेषज्ञ गेंदबाजों अर्शदीप सिंह (18), गुरनूर बराड़ (09), अंशुल कंबोज और औकिब नबी (एक-एक) के पास कुल मिलाकर 29 वनडे मैचों का अनुभव है।

क्यों नहीं मिल पा रहा कुलदीप को मौका

ईडन पार्क की सीधी बाउंड्री बेहद छोटी हैं और उसकी दूरी केवल 55 मीटर है। ऐसे में भारत सिराज, अर्शदीप सिंह और लंबे कद के गुरनूर बरार को प्लेइंग-11 में रख सकता है। हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति के कारण कुलदीप यादव के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल हो रहा है भले ही उन्होंने भारत के वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण में सर्वाधिक 201 विकेट लिए हैं। लेकिन 11 से 40 ओवर के बीच सर्कल के बाहर केवल चार क्षेत्ररक्षकों को ही अनुमति दी जाती है और ऐसे में बीच के ओवर अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। इसलिए कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 123 वनडे मैच खेले गए हैं। इसमें 63 मैच भारतीय टीम जीती है, जबकि 52 मैचों में न्यूजीलैंड को जीत मिली है। 7 मैचों का परिणाम नहीं आया है, जबकि 1 मैच टाई रहा है। न्यूजीलैंड में वनडे में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब रहा है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड में 45 वनडे खेले हैं, जिसमें सिर्फ 14 मैचों में जीत मिली है। 26 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 1 मैच टाई रहा है, जबकि 4 मैचों के परिणाम नहीं आए हैं।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11:

भारतः रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।
न्यूजीलैंडः विल यंग, टिम सीफर्ट, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टॉम लाथम (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

हार्दिक पांड्या की नई टीम कौन सी होगी?

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर अटकलों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। जून 2026 से अब तक यानी पिछले करीब पांच महीनों में उनका नाम तीन फ्रेंचाइजी से जुड़ चुका है। सबसे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स ने मुंबई इंडियंस से उनके संभावित ट्रेड को लेकर दिलचस्पी दिखाई। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स का नाम भी चर्चा में आया। नवंबर में एक बार फिर ट्रेड की खबरों ने जोर पकड़ा और अब पंजाब किंग्स इस दौड़ में नई टीम के तौर पर सामने आई है। इतना ही नहीं, अर्शदीप सिंह भी चर्चा में हैं। ऐसे में समझते हैं कि हार्दिक और पंजाब के बीच किस डील को लेकर चर्चा है और जून से लेकर अब किस-किस टीम में उनके जाने को लेकर बज बना।

पंजाब से ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज

एक चर्चा जो पिछले पांच महीने में स्थिर रही है, वह है हार्दिक का मुंबई का साथ छोड़ना लगभग तय माना जा रहा है। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि पंजाब किंग्स हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के लिए मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड डील के बेहद करीब पहुंच गई है। इस संभावित सौदे में भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद मुंबई की टीम में जा सकते हैं।
स्पोर्टस्टार (द हिंदू) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच प्रस्तावित अदला-बदली पर लगभग सहमति बन चुकी है। अब आईपीएल अधिकारियों के पास इससे जुड़े दस्तावेज भेजे जाने की प्रक्रिया बाकी है। ऐसे में 17 नवंबर की रिटेंशन डेडलाइन से पहले इस बड़े ट्रेड का आधिकारिक एलान हो सकता है। हालांकि, अभी तक दोनों फ्रेंचाइजी या आईपीएल की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।
रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब किंग्स को एक मैच जिताने वाले ऑलराउंडर की तलाश थी। इसी सिलसिले में मुंबई इंडियंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पंजाब से संपर्क किया था।

'आपने खेल को कई यादगार पल दिए'

मैक्सवेल के संन्यास पर भावुक हुए फिंच, कहा- आपसे बेहतर टीममेट और दोस्त नहीं

एजेंसी, सिडनी।



ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उनके संन्यास के एलान के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने उनकी जमकर तारीफ की है। फिंच ने मैक्सवेल को क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक खिलाड़ियों में से एक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने खेल से क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया।

सोशल मीडिया पर लिखा भावुक पोस्ट

2022 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करने वाले फिंच ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर मैक्सवेल को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी।

फिंच ने लिखा, 'क्या शानदार करियर रहा है ग्लेन मैक्सवेल! इसमें कोई शक नहीं कि वह क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक खिलाड़ियों में से एक हैं और हमारी पीढ़ी के सबसे इनोवेटिव खिलाड़ियों में भी उनका नाम शामिल है। क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने कई ऐसी चीजें की हैं, जिनकी कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने ऐसी पारियां खेली हैं, जिनका सपना हममें से ज्यादातर खिलाड़ी देखते हैं। साथ ही इस खेल को कई यादगार पल दिए हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि मैक्सवेल ने क्रिकेट खेलने के अंदाज को बदला और अपने प्रदर्शन से कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

मैदान के बाहर भी मैक्सवेल के मुरीद हैं फिंच

फिंच ने मैक्सवेल की सिर्फ मैदान पर की गई उपलब्धियों की ही नहीं, बल्कि उनके व्यवहार और टीम के प्रति योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मैक्सवेल एक बेहतरीन खिलाड़ी होने के साथ-साथ शानदार साथी और अच्छे दोस्त भी रहे हैं। फिंच ने लिखा, 'मैदान पर आप जितने अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, उससे भी बेहतर टीममेट और दोस्त रहे हैं। आपके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव रहा। जीत, चुनौतियों और उनके बीच बिताए गए हर पल की कई ऐसी यादें हैं, जिन्हें मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए आपका करियर अविश्वसनीय रहा है और आपको इस पर बेहद गर्व होना चाहिए। बधाई हो लीजेंड।'

पॉडकास्ट में किया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान

ग्लेन मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में विक्टोरिया की ओर से 50 ओवर और चार दिवसीय प्रारूप में भी नहीं खेलने का फैसला किया है। मैक्सवेल ने कहा, 'मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और विक्टोरिया के लिए घरेलू क्रिकेट में 50 ओवर और चार दिवसीय प्रारूप यानी रेड बॉल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने जा रहा हूं।' 38 वर्षीय मैक्सवेल पिछले साल जून में ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे, लेकिन उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपनी उपलब्धता बनाए रखी थी। हालांकि, फरवरी में टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ खेला गया मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ।

बीबीएल में खेलते रहेंगे मैक्सवेल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा मैक्सवेल ने प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए क्रिकेट से भी दूरी बनाने का फैसला किया है। हालांकि, वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स की ओर से खेलना जारी रखेंगे। मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, अनोखे शॉट्स और उपयोगी गेंदबाजी से खास पहचान बनाई। उनके संन्यास के साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक अहम अध्याय समाप्त हो गया है।

सुकेश चंद्रशेखर केस में आरोपी नहीं, सिर्फ गवाह हैं नोरा फतेही- लीगल टीम



अभिनेत्री नोरा फतेही की कानूनी टीम ने स्पष्ट किया है कि कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है। टीम के अनुसार, इस मामले में अदालत ने नोरा फतेही को केवल गवाह के रूप में तलब किया है। नोरा की लीगल टीम का कहना है कि अभिनेत्री जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया में एक गवाह के रूप में सहयोग कर रही हैं। यह बयान 2 नवंबर को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आया। इस दिन आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से जुड़े मामले में नोरा को गवाही देने के लिए कोर्ट में पेश होना था। हालांकि, उनके वकीलों ने अदालत को बताया कि उन्हें समन बहुत कम समय पहले मिला था और पहले से तय प्रोफेशनल कमिटमेंट के चलते वे पेश नहीं हो सकीं। इसके बाद नोरा की ओर से व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए आवेदन दाखिल किया गया। अदालत ने आवेदन पर सुनवाई के बाद मामले को 6 नवंबर तक के लिए टाल दिया और नोरा को पेश होने के लिए नया समन जारी किया।
नोरा की लीगल टीम ने मीडिया को दिए बयान में कहा, "सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा ईओडब्ल्यू का मामला आज दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के लिए आया था। इस मामले में नोरा फतेही को गवाह के तौर पर समन भेजा गया था। उनके वकील कोर्ट में पेश हुए और बताया कि नोरा को बहुत कम समय पहले समन मिला था। पहले से तय प्रोफेशनल कमिटमेंट के कारण वे अदालत में उपस्थित नहीं हो सकीं।"
बयान में आगे कहा गया, "व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए आवेदन दाखिल किया गया, जिसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई 6 नवंबर 2026 तक टाल दी और नोरा को पेश होने के लिए नया समन जारी किया। यह स्पष्ट किया जाता है कि नोरा फतेही न तो इस मामले में आरोपी हैं और न ही उन पर किसी अपराध में शामिल होने का आरोप है। उन्हें केवल गवाह के तौर पर अदालत की कार्यवाही में मदद करने के लिए बुलाया गया है।"
दरअसल, यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है। आरोप है कि सुकेश ने दिल्ली की रोहिणी जेल में बंद रहने के दौरान करीब 200 करोड़ रुपए की वसूली का रैकेट चलाया था। बताया जाता है कि उसने खुद को वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से ठगी की थी।
इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने की थी। जांच के बाद पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत चार्जशीट दाखिल की थी।
इस मामले में जांच के दौरान नोरा फतेही से भी पूछताछ की गई थी। उनसे सुकेश चंद्रशेखर और उनकी पत्नी लीना मारिया पॉलोस के साथ कथित संपर्कों को लेकर सवाल किए गए थे। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट के सामने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत उनका बयान भी दर्ज किया गया था। बाद में पुलिस ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में नोरा को अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर शामिल किया था।

रामायण: 4000 करोड़ी फिल्म को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर रणबीर कपूर ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' इन दिनों काफी चर्चा में है। यह साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जो दो दिन बाद रिलीज होने वाली है। हालांकि, फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इसके म्यूजिक और वीएफएक्स को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। अब हाल ही में एक क्वार्टरवठ इवेंट के दौरान रणबीर कपूर ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। साथ ही उन्होंने बताया कि वह ऑनलाइन ट्रोलिंग को ज्यादा तवज्जो क्यों नहीं देते।

क्या बोले रणबीर कपूर?

ऑनलाइन ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए रणबीर ने कहा, 'आज के समय में ऑनलाइन ट्रोलिंग की अपनी एक अलग ही दुनिया है। यह पुराने गाने 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना' की याद दिलाती है। मुझे लगता है कि जिंदगी में इस सोच को अपनाना चाहिए। लोगों की बातों से परेशान नहीं होना चाहिए। मायने यह रखता है कि वे लोग क्या सोचते हैं, जो आपके काम की परवाह करते हैं, आपकी मेहनत, इरादे और अच्छाई को समझते हैं। मेरे लिए सबसे ज्यादा यही चीजें मायने रखती हैं।'

नितेश तिवारी ने रखी अपनी बात

फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी ने भी 'रामायण' को लेकर हो रही आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फिल्म की पूरी टीम ने अपना सौ प्रतिशत दिया है। नितेश के मुताबिक, 'अगर आपका जमीर साफ है और आपने अपनी तरफ से पूरी मेहनत की है, तो फिर



आपको और क्या चाहिए?'

यश ने भी फैंस से की थी खास अपील

इससे पहले यश भी फिल्म के वीएफएक्स को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रख चुके हैं। अक्टूबर में हैदराबाद में हुए एक बड़े इवेंट के दौरान उन्होंने फैंस से फिल्म को खुले मन से देखने और वीएफएक्स में छोटी-छोटी कमियां निकालने से बचने की अपील की थी। यश ने फिल्म के निमार्ता नमित मल्होत्रा की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना पैसा और प्रतिष्ठा दांव पर लगाई है। नमित मल्होत्रा DNEG के ग्लोबल सीईओ भी हैं।
यश ने कहा था, 'नमित ने इस फिल्म को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ले जाने के लिए अपना पैसा और प्रतिष्ठा दांव पर लगाई है। इसलिए वीएफएक्स में छोटी-छोटी कमियां निकालने की कोशिश न करें। अगर हमने अभी उनके जैसे लोगों को खो दिया, तो ऐसा दोबारा नहीं होगा। इसमें कई साल लग जाएंगे और हम फिर पीछे चले जाएंगे। फिल्म को खुले मन से देखिए। उन्होंने हमेशा हर फीडबैक और आलोचना को स्वीकार किया है और उसे बेहतर बनाने की कोशिश की है। मैं अपनी तरफ से आप सभी से अपील करता हूं कि अगर आपको फिल्म पसंद आती है, तो एक साथ मिलकर इसे दुनिया के सामने पेश करें।'

'रामायण' में नजर आएंगे ये कलाकार

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में दिखाई देंगे। नमित मल्होत्रा और यश के प्रोडक्शन में बन रही इस दो हिस्सों वाली फिल्म का बजट करीब 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।

मेधा राणा जुड़ीं अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' से, निभाएंगी उनकी प्रेमिका का किरदार



अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म 'सनकी' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। मेधा फिल्म में अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। 'बॉर्डर 2' की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें ह्यसनकीह्ल की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है।
फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा। मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं।
दिलचस्प बात यह है कि 'बॉर्डर 2' में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार 'सनकी' में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है।
'सनकी' की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म की पहली झलक भी आने वाले कुछ दिनों में दर्शकों के सामने आ सकती है।
इस फिल्म का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं।



ऋचा चड्ढा ने 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए स्नेहा खानवलकर से मिलाया हाथ

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी नॉन-फिक्शन सीरीज 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए म्यूजिक कंपोजर और सिंगर स्नेहा खानवलकर के साथ हाथ मिलाया है। इस गाने को स्नेहा ने कंपोज करने के साथ अपनी आवाज भी दी है। खास बात यह है कि गाने के बोल खुद ऋचा ने लिखे हैं। ऋचा ने स्नेहा को अपना लकी चार्म बताते हुए कहा कि दोनों का साथ कई खास मौकों से जुड़ा रहा है। ऋचा ने एक बयान में कहा, "मुझे गर्व है कि मैं स्नेहा को अपनी दोस्त कह सकती हूं। अगर भारत में एक हजार कहानियां हैं, तो स्नेहा शायद उन सभी के लिए साउंडट्रैक ढूंढ सकती हैं। मुझे इस गाने की गुनगुनाहट, जिज्ञासा और शरारत-भरा अंदाज बहुत पसंद आया। इसमें कहीं-कहीं लोरी जैसी मिठास भी है।"
उन्होंने आगे कहा, "एक अभिनेत्री के तौर पर मेरी पहली फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' थी, जो स्नेहा की भी पहली फिल्म थी। बतौर प्रोड्यूसर मेरी पहली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी स्नेहा का एक गाना था और अब बतौर क्रिएटर मेरे पहले प्रोजेक्ट में भी वह मेरे साथ हैं। वह सच में मेरा लकी चार्म हैं।" वहीं, स्नेहा खानवलकर ने ऋचा की तारीफ करते हुए कहा, "ऋचा की अपनी एक अलग और स्वतंत्र आवाज है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता की पढ़ाई का 'मुसाफिरी' में बखूबी इस्तेमाल किया है। यह एक शानदार, दिलचस्प और मनोरंजक शो है, जो हमें उन जगहों और इलाकों की गहराई से सैर कराता है, जिन्हें हम देखते तो रहे हैं, लेकिन जिनके बारे में कभी इतने करीब से नहीं जान पाए।"
स्नेहा ने गाने के बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब ऋचा ने उनसे सीरीज का टाइटल ट्रैक बनाने के लिए कहा, तो उन्होंने शुरूआत में एक बेसिक रिदमिक ट्रैक तैयार किया था। इसके साथ उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों पर धुन गुनगुनाई थी, जिनका कोई तय मतलब नहीं था। बाद में ऋचा ने उसी धुन पर खुद बोल लिखे, जिन्हें स्नेहा ने रिकॉर्ड किया। उन्होंने कहा कि ऋचा के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है।
स्नेहा खानवलकर को फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' के म्यूजिक और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के दोनों पार्ट के संगीत के लिए खास पहचान मिली। वह इस कैटेगरी में नॉमिनेशन पाने वाली दूसरी महिला संगीतकार हैं। उनसे 28 साल पहले उषा खन्ना को इस कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था।